mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-50 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
20 फरवरी 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

हिलेरी क्लिंटन ने पर्यावरण के खतरों से आगाह किया:

बोलीं- जलवायु संकट से महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित, शरणार्थियों में सबसे बड़ी संख्या इनकी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्लाइमेट वीक में बुधवार को अमेरिकी पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने इंडिया क्लाइमेट कोलैबोरेटिव(आईसीसी) की सीईओ श्लोका नाथ के साथ चर्चा की। इस दौरान हिलेरी ने जलवायु परिवर्तन और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। पढ़िए उनकी बात, उनकी जुबानी।

मैं आज अपनी बात महिलाओं से शुरू करना चाहती हूं। अगर हम सच में समझना चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन क्या कर रहा है, तो हमें उन लोगों की तरफ देखना होगा जिन पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है, और वह हैं दुनियाभर की महिलाएं। जब सूखा पड़ता है, बाड़ आती है, खेत बर्बाद होते हैं या जब पानी दूर चला जाता है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती हैं। उन्हें ही अपने परिवार के लिए पानी लाना होता है, भोजन जुटाना होता है, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल करनी होती है। जलवायु परिवर्तन उनके रोजमर्रा के जीवन को और कठिन बना रहा है।

आज दुनिया में जलवायु आपदाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोग जिन्हें हम क्लाइमेट रिफ्यूजी कहते हैं, उनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। वे अपने घर अपनी आजीविका और अपनी सुरक्षा खो देती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें परिवार को संभालना होता है। मैंने नमक के खेतों में काम करने वाली महिलाओं को देखा है। तपती दोपहर में, झुलसती धूप में बिना किसी विकल्प के काम करती हुई। तापमान बढ़ रहा है, लेकिन उनका श्रम कम नहीं हो रहा है। जलवायु परिवर्तन उनके शरीर, उनके स्वास्थ्य और उनकी आजीविका पर सीधा असर डाल रहा है। यही जलवायु संकट का मानवीय चेहरा है। इसलिए हम महिलाओं को केवल पीड़ित के रुप में नहीं देख सकते हैं वे समाधान का हिस्सा है। जलवायु संकट इंतजार नहीं करता। इसलिए कार्रवाई भी अभी होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन: एआई की भूमिका होगी प्रभावी : अब मैं तकनीक पर बात करना चाहती हूं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जलवायु परिवर्तन से लड़ने में एक शक्तिशाली उपकरण बन सकता है। यह नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड को बेहतर बना सकता है, बाढ़ और आपदाओं का सटीक पूर्वानुमान दे सकता है।

संघ प्रमुख भागवत से मिले यूपी के दोनों उपमुयमंत्री

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने गुरूवार को अलग–अलग समय पर यहां निरालानगर में स्थित सरस्वती कुंज पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत से शिष्टाचार भेंट की। सरसंघचालक ने यहां संघ के प्रचारकों के साथ बैठक भी की। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बुधवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत से भेंट की थी।

दरअसल, सरसंघचालक लखनऊ में तीन दिन से प्रवास पर हैं और आज उनके प्रवास का तीसरा व अंतिम दिन है। सरसंघचालक 17 फरवरी को निरालानगर के माधव सभागार में आयोजित कुटुम्ब मिलन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद 18 फरवरी को उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सरसंघचालक ने शोधार्थियों के साथ संवाद किया। वहीं 18 फरवरी की शाम को गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी को डॉ. भागवत ने संबोधित किया था।

राजस्थान में ओले गिरे, म.प्र. के 20 जिलों में बारिश

हरियाणा में बारिश से 7 डिग्री तापमान गिरा; उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर /लखनऊ, एजेंसी। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। मध्य प्रदेश में पिछले 12 घंटों के दौरान भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन समेत 20 से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं। जिससे ठिठुरन बढ़ गई है।

राजस्थान के 11 जिलों में तेज आंधी-बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी है। एक दिन पहले 11 से ज्यादा जिलों में दिनभर रुक-रुककर बारिश हुई। राजधानी जयपुर के स्र्स्र अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में पानी भर गया। इससे कई ऑपरेशन टल गए। 4 जिलों में ओले भी गिरे।

हरियाणा के हिसार समेत कई इलाकों में 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। राज्य के भिवानी और रेवाड़ी में बुधवार दोपहर को हल्की बूंदाबांदी के साथ ओले गिरे। वहीं उत्तराखंड के देहरादून सहित पांच पहाड़ी जिलों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है।

कांग्रेस का दावा- राहुल को गोली मारने की धमकी मिली

खेड़ा ने करणी सेना के कार्यकर्ता का वीडियो शेयर किया; आरोपी कोटा से पकड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया X पर शेयर किया है।

पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा RSS-भाजपा तंत्र एक 'गोडसे फैक्ट्री' है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और '25 सांसदों' के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है। उन्होंने X पर लिखा- कट्टरपंथ ऐसे ही काम करता है। वे पहले एक झूठ बनाते हैं, पॉलिटिकल अथॉरिटी उसे आगे बढ़ाती हैं

और तब तक फैलाती हैं जब तक उनके फॉलोअर्स के मन में नफरत और हिंसा नहीं भर जाती। तब भी गोडसे बनाया गया था। आज फिर एक और गोडसे को तैयार किया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद कोटा पुलिस ने आरोपी राज आमेरा को पकड़ लिया है। भास्कर रिपोर्टर ने राजा आमेरा से बात की। उसने कहा- मुझे वीडियो की जानकारी नहीं है। विपक्ष ने फेक आईडी बनाकर वीडियो बनाया है। मैं सनातन से जुड़ा हुआ हूं। देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता हूं।

सुप्रीम कोर्ट बोला

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे

- मुफ्त बिजली–पानी देने से काम करने की आदत ही खत्म हो जाएगी; सरकारें रोजगार दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है।

सीजेआई सूर्यकांत बोले

- आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?
- अचानक चुनाव के आस–पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?
- हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

पूरा मामला समझें

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो–महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है।

दुनिया में भूख से लड़ने के लिए दो लाख टन चावल आपूर्ति करेगा भारत

एफसीआई–डब्ल्यूएफपी में हुआ समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनियाभर में चल रहे मानवीय कार्यों के लिए दो लाख टन टूटे चावल की आपूर्ति करेगा। भूख से लड़ने के मकसद पांच साल के दौरान यह आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत अवधि को आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है और कीमत भी हर साल आम सहमति से तय की जाएगी। 31 मार्च, 2026 तक के लिए कीमत प्रति क्विंटल 2,800 रुपये तय की गई है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि डब्ल्यूईएफपी के साथ साझेदारी के जरिये हम भूख से जूझ रहे लोगों को उम्मीद, पोषण और सम्मान दे रहे हैं। यह समझौता भारत की इस प्रतिबद्धता को दिखाता है कि कोई भी भूखा न रहे। भारत कुपोषण और खाने की कमी से लड़ने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ खड़ा रहेगा। डब्ल्यूएफपी के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा कि भारत के साथ यह समझौता वैश्विक स्तर पर भूख से लड़ने में एक अहम पड़ाव है। भारत का सहयोग डब्ल्यूएफपी को अगले पांच वर्षों में कमज़ोर आबादी तक ज्यादा असरदार तरीके से पौष्टिक खाना पहुंचाने में मदद करेगा। स्काउ ने कहा कि एक बड़े खेती-बाड़ी वाले देश और वैश्विक एकजुटता के समर्थक के तौर पर, भारत हमें जीरो हंगर के लक्ष्य को एक्शन में बदलने के लिए प्रेरित करता है।

असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले- राहुल भी अपमानित हैं, फिर मेरे अपमान की या कीमत

बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने गुरुवार को कहा कि मैंने राहुल गांधी से कहा कि मैं पार्टी में अपमानित महसूस कर रहा हूं। तो उन्होंने कहा कि वह भी अपमानित हैं। फिर मेरे अपमान की क्या कीमत रह जाती है? मैं इतना अपमान सहने की क्षमता नहीं रखता।

बोरा ने न्यूज एजेंसी PTI से कहा कि इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने उन्हें फोन किया था। उसी दौरान राहुल गांधी से ये बातचीत हुई थी। भूपेन बोरा ने सोमवार को

कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। इसके बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने बोरा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि वे 22 फरवरी को पार्टी की सदस्यता लेंगे।

गौरव गोगोई पर गठबंधन तोड़ने का आरोप : बोरा ने कहा कि किया प्रियंका गांधी के असम दौरे से पहले 9 तारीख को बैठक हुई थी, जिसमें तय हुआ था कि जल्द गठबंधन बनाया जाए और इसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई थी। प्लान था कि प्रियंका गांधी के पहुंचने पर सभी दल मिलकर गठबंधन की घोषणा करेंगे।

बोरा ने दावा किया कि गौरव गोगोई ने गठबंधन इसलिए तोड़ा क्योंकि गठबंधन सरकार बनने पर वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाते। कई सीनियर नेताओं का भी अपमान हुआ है।

एआई समिट में पीएम ने भारत में निवेश का न्योता दिया :

सही समझ से सही फैसले, एआई के लिए साझा रोडमैप जरूरी: पीएम मोदी

अंबानी ने कहा- साबित करेंगे कि एआई नौकरियां नहीं छीनता

मुंबई, एजेंसी। समिट के प्लेनरी सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई के वास्तविक प्रभाव को समझने के लिए सही समय पर सही फैसले लेना और एक साझा वैश्विक रोडमैप बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की भूमि है और बुद्ध ने भी कहा था कि सही समझ से ही सही कर्म उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एआई का सच्चा प्रभाव तभी सामने आएगा जब देश मिलकर सहयोग की भावना से काम करेंगे। उन्होंने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया ने देखा है कि जब देश एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन विकास से लेकर सप्लाई चेन, डेटा साझाकरण और लोगों की जान बचाने तक, महामारी के दौरान वैश्विक सहयोग ने ही समाधान प्रदान किया। पीएम मोदी ने इस अनुभव के आधार पर एआई के क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आवश्यक बताया।

भारत की ताकत बताकर प्रधानमंत्री ने देश में निवेश का न्योता दिया : पीएम मोदी ने अपने संबोधन के अंतिम हिस्से में कहा, मुझे आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि इस समिट में तीन भारतीय कंपनियों ने अपने एआई मॉडल्स और एप लॉन्च किए हैं। ये युवाओं की प्रतिभा के सबूत हैं। भारत जो सॉल्यूशन दे रहा है, ये उसकी गहराई और विविधता के भी प्रतिबिंब हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत सेमीकंडक्टर और चिप मेकिंग से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक एक रेजिलिएंट इको सिस्टम बना रहा है। सिक्योर डाटा सेंटर, मजबूत आईटी बैकबोन, डायनेमिक स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत को अफॉर्डेबल, स्केलेबल और सिक्योर एआई सॉल्यूशंस का नैचुरल हब बनाते हैं।

देश की ताकत को रेखांकित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत के पास डायवर्सिटी, डेमोग्राफी के साथ-साथ डेमोक्रेसी भी है। जो एआई मॉडल भारत में सफल होता है, उसे वैश्विक स्तर पर भी आजमाया जा सकता है। उन्होंने टेक वर्ल्ड के दिग्गजों से भारत में निवेश का आह्वान करते हुए कहा, डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया, डिलिवर टू द वर्ल्ड, डिलिवर टू दी ह्यूमैनिटी।

भारत में सफल एआई मॉडल दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है

प्रधानमंत्री मोदी ने खाद्य पैकेटों पर मौजूद पोषण संबंधी लेबल की तर्ज पर एआई सामग्री के लिए भी प्रामाणिकता वाले लेबल लगाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई से डरते हैं, कुछ लोग इसमें भविष्य देखते हैं। भारत एआई में भविष्य देखता है। प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया और देश की युवा प्रतिभा को वैश्विक मंच पर रेखांकित करते हुए कहा, भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बोले- भारत ने वो किया जो कोई नहीं कर सका

भारत ने वह कर दिखाया है जो दुनिया का कोई दूसरा देश नहीं कर सका। 1.4 अरब लोगों के लिए एक डिजिटल पहचान तैयार की। एक ऐसा पेमेंट सिस्टम बनाया जो अब हर महीने 20 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है। एक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जिसने 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ आईडी जारी की हैं। नतीजे आपके सामने हैं। उन्होंने ये भी कहा कि AI, GPU और चिप्स अब सीधे तौर पर जियोपॉलिटिकल और मैक्रो–इकोनॉमिक शब्दों में बदल गए हैं। मुझे कहना होगा कि कभी यह बेहतरी के लिए होता है, तो कभी बुरे के लिए। एक साल पहले हमने कुछ और करके दिखाया था।

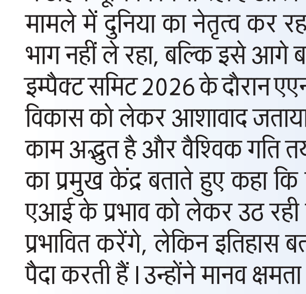

अंबानी का बड़ा एलान- 10 लाख करोड़ के निवेश का एलान

एआई इंपैक्ट समिट में भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि एआई का सबसे अच्छा दौर आना अभी बाकी है। उन्होंने कहा, एआई कई क्षेत्रों में नए दौर की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया इस बात पर बहस कर रही है कि क्या एआई के कारण ताकत कुछ लोगों के हाथों में सिमट जाएगी। या एआई सभी के लिए मौके और सबके लिए आसान अवसर का माध्यम बनेगा।

एआई से हेल्थकेयर, शिक्षा और रिसर्च सेक्टर में आएगी तेजी, बोले सुनील मित्तल

भारती ग्रुप के चेयरमैन सुनील मित्तल ने समिट में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत से हेल्थकेयर, शिक्षा, डीप रिसर्च और मेडिकल साइंसेज जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेज विकास देखने को मिलेगा। मित्तल ने कहा कि एआई अब कंपनियों के संचालन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी के लिए एआई ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने, नेटवर्क तैयार करने और नेटवर्क मैनेजमेंट को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले समय में विभिन्न सेक्टर्स एआई के सहारे नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे और यह तकनीक उद्योगों के काम करने के तरीके में बड़े बदलाव लाने वाली है।

एआई अपनाने में दुनिया का नेतृत्व कर रहा भारत, बोले ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में अहम भूमिका निभा रहा है और फिलहाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के मामले में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एआई क्रांति में भाग नहीं ले रहा, बल्कि इसे आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान एएनआई से बातचीत में ऑल्टमैन ने भारत के डिजिटल विकास को लेकर आशावाद जताया और कहा कि देश के टेक इकोसिस्टम में हो रहा काम अद्भुत है और वैश्विक गति तय कर रहा है। उन्होंने भारत को भविष्य के नवाचार का प्रमुख केंद्र बताते हुए कहा कि एआई के वैश्विक विकास पर भारत का बड़ा प्रभाव पड़ेगा। रोजगार पर एआई के प्रभाव को लेकर उठ रही चिंताओं पर उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलाव नौकरी बाजार को जरूर प्रभावित करेंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीकें नए और अधिक सार्थक रोजगार के अवसर भी पैदा करती हैं। उन्होंने मानव क्षमता और अनुकूलन की शक्ति पर भरोसा जताया।

सहमति से बने शारीरिक संबंधों को रिश्ता बिगड़ने पर दुष्कर्म बताना गलत: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि किसी महिला द्वारा शारीरिक संबंध बनाने के लिए दी गई सहमति को बाद में वापस नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि पहले सहमति से संबंध बनाना और फिर रिश्ता टूटने पर उन संबंधों को दण्डनीय अपराध में लाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसा करना गलत है। हाईकोर्ट ने यह बात एक वकील और उसके रिश्तेदारों को रेप, धोखे से शादी और दूसरे गंभीर आरोपों से बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए कही।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि कानून को महिलाओं को असली यौन शोषण, जबरदस्ती और गलत व्यवहार से बचाने के लिए सतर्क रहना चाहिए, साथ ही उसे अपने प्रोसेस के गलत इस्तेमाल से भी बचना चाहिए।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ को ऐसे रिश्ते से होने वाले बदले, दबाव या निजी बदले का जरिया बनने की इजाजत नहीं दी जा सकती, जो पूरी तरह से टूट चुका हो। इसका मकसद निराशा या उम्मीदों के टूटने पर सजा देना नहीं है, बल्कि ऐसे काम को सजा देना

है, जो असल में आपराधिक है।

कोर्ट ने आगे कहा, जब दो वयस्क लोग जान-बूझकर ऐसे रिश्ते में आने का फैसला करते हैं जो उनके धर्म, पर्सनल लॉ या रीति-रिवाजों से अलग हो, तो यह फैसला सोच-समझकर, सोच-समझकर और ईमानदारी से लिया जाना चाहिए। इसके कानूनी और पर्सनल मतलब पता होते हैं, जिन्हें बाद में रिश्ते में खटास आने पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

महिला वकील ने दर्ज कराई थी एफआईआर : एक महिला वकील द्वारा 2022 में दर्ज कराई गई एफआईआर में उसने आरोप लगाया था कि आरोपी ने कथित तौर पर अपना धर्म और शादीशुदा होने की जानकारी छुपाकर सालों तक उसका यौन शोषण कर शादी के लिए मजबूर किया और अश्लील तस्वीरों से धमकाया।उसने दावा किया कि उसे बाद में पता चला कि वह पहले से शादीशुदा था और रिश्ते के दौरान उसे डराया-धमकाया गया और कैद किया गया।

हाईकोर्ट ने खारिज की महिला की अर्जी : आरोपी को बरी किए जाने के खिलाफ महिला की अर्जी को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यह रिश्ता करीब 11 साल तक चला। इस दौरान वह आरोपी के साथ खुलेआम रही, कानूनी पढ़ाई की, वकील के तौर पर प्रैक्टिस की और बिना कोई शिकायत दर्ज कराए लोगों से मिलती-जुलती रही।

कोर्ट ने माना आरोपी के बारे में सब कुछ जानती थी महिला : कोर्ट ने माना कि सबूतों से पता चलता है कि शिकायतकर्ता को आरोपी के धर्म और मैरिटल स्टेटस के बारे में पता था, जिससे धोखे से शादी करने का अपराध नहीं बनता।

जज ने कहा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जहां एक धर्म को मानने वाली महिला दूसरे धर्म को मानने वाले पुरुष से शादी करने का फैसला करती है, और उसकी पहचान के बारे में पूरी जानकारी रखती है, उसके साथ वकील के तौर पर काम करती है, और कोर्ट में उसके साथ पेश होती है, तो बाद में यह कहना मुश्किल है कि उसे उसकी धार्मिक पहचान के बारे में पता नहीं था या उसे इस बारे में गुमराह किया गया था। इसके अलावा, कोर्ट ने कहा कि महिला एक कानूनी तौर पर ट्रेंड होने के चलते पर्सनल लॉ, धार्मिक रीति-रिवाजों और शादीशुदा नियमों के मतलब के साथ-साथ ऐसे रिश्ते से होने वाले कानूनी नतीजों के बारे में भी जानती होगी।

फैसले में कहा गया है कि जहां कोई वयस्क, पढ़ा-लिखा व्यक्ति जानबूझकर किसी रिश्ते में आता है, अलग-अलग धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत होने वाले समारोहों में हिस्सा लेता है, और लंबे समय तक उस रिश्ते को जारी रखता है, तो बाद में उस फैसले के नतीजों को खत्म करने के लिए कानून का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, सिर्फ इसलिए कि रिश्ता खराब हो गया है।

क्रिमिनल लॉ का मकसद क्राइम के असली पीड़ितों की रक्षा करना

कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ का मकसद क्राइम के असली पीड़ितों की रक्षा करना है, न कि ऐसे रिश्ते के इतिहास को फिर से लिखना जो अपनी मर्ज़ी से बना हो, सबके सामने माना गया हो और कई सालों तक चला हो। समाज को पता हो और व्यवहार से पक्का किया गया रिश्ता बाद में सिर्फ़ इसलिए क्रिमिनल नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह उस तरह से खत्म नहीं हुआ जैसा एक पार्टी ने सोचा था। कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ का मकसद अपराध के असली पीड़ितों की रक्षा करना है, न कि ऐसे रिश्ते के इतिहास को फिर से लिखना जो अपनी मर्जी से बना हो, सबके सामने माना गया हो और कई सालों तक चला हो। समाज को पता हो और व्यवहार से पक्का किया गया रिश्ता बाद में सिर्फ इसलिए क्रिमिनल नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह उस तरह से खत्म नहीं हुआ जैसा एक पार्टी ने सोचा था।

दिल्ली-एनसीआर में फिर लौटी ठंड

राजस्थान और एमपी में गिरे ओले; उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। बीते दिनों तापमान में अचानक हुई गिरावट के कारण गर्मी अपना रंग दिखाना शुरू कर दी। वहीं, बुधवार को कई राज्यों में हुई बारिश के कारण एक बार फिर ठंड लौट आई है। दरअसल, मौसम विभाग ने आज उत्तराखंड, हिमाचल, तमिलनाडु, एमपी, राजस्थान में कुछ जगहों पर बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट की संभावना है जिसके कारण कारण सर्दी के बढ़ने की आशंका है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा आज का मौसम : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आज यानी 19 फरवरी को मौसम साफ रहेगा, हालांकि, तापमान में गिरावट देखने को मिल रहा है। आज दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 20 फरवरी को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 फरवरी को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। 22 फरवरी से तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिल सकता है।

यूपी में कैसा रहेगा आज का मौसम : उत्तर प्रदेश के मौसम में भी उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। बीते दिनों पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों में हुई बारिश के बाद अब मौसम स्थिर होता दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी के संकेत हैं। 20 फरवरी से पारा 28 से 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। जिसके कारण गर्मी बढ़ने की संभावना है।

उत्तराखंड का मौसम : उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से प्रदेशभर में मौसम शुष्क बना हुआ था और तापमान में बढ़ोतरी के चलते हल्की गर्माहट महसूस की जा रही थी। लेकिन बुधवार को अचानक बदले मौसम के कारण हालात बदल गए। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के साथ-साथ हेमकुंड साहिब में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। बर्फबारी के कारण हाड़ों में शीत लहर का असर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने आज भी 3000 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है।

मध्य प्रदेश का मौसम : मध्य प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर में रतलाम, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, मंदसौर समेत 20 जिलों में बारिश देखने को मिली। आज भोपाल-ग्वालियर में सुबह से बारिश हो रही है।

शिवनेरी किले में शिवाजी जयंती पर बेकाबू भीड़

श्रद्धालु का पैर फिसलने से भगदड़ जैसे हालात ; 3 घायल

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में छत्रपति शिवाजी जयंती के मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान शिवनेरी किले में भारी भीड़ जमा होने पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए हैं। भक्त, शिव ज्योति (औपचारिक आग) लेकर युवाओं के ग्रुप और पूरे महाराष्ट्र से अलग-अलग संगठनों के सदस्य देर रात किले में जमा हो गए थे।

इस वजह से, मुख्य समारोह से काफी पहले ही किला परिसर खचाखच भर गया था। बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए पुलिस की कमी के कारण, कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इसके बाद अंबरखाना इलाके के नीचे संकरी जगहों, खासकर हाथी दरवाज़ा और गणेश दरवाजे के एंट्रेंस के आसपास भारी भीड़ की खबर मिली। बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश करने से रास्ते बहुत भीड़भाड़ वाले हो गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस भगदड़ में महिलाओं और छोटे बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जुन्नार के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने क्या कहा : पुणे ग्रामीण SP संदीप सिंह गिल ने कहा, अगर आप यहां जुन्नार में शिवनेरी किले के ऊपर शिवाजी के जन्मस्थान को देखें, तो कल सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं और रात भर दर्शन होते रहे...एक भक्त फिसल गया और इस वजह से और लोग सीढ़ियों पर गिर गए और उनमें से तीन घायल हो गए। कोई भगदड़ नहीं हुई।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक

वॉशिंगटन, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं। खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि

ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ भी पैदा कर सकती है

हल्का कंपन : अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया। ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है। हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप : ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा।

बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई।

कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या 61 प्रतिशत की आई कमी

इन नियमों का भरतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है। हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी हाने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

कितनी हो गई संख्या : दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं। मासिक आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने कैप की तय : कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी। रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है।

भारतीय छात्रों पर असर : इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम को भी सख्त किया है। अब एडमिशन लेटर की अनिवार्य जांच होती है। छात्रों के लिए फाइनेंशियल प्रूफ की राशि 10,000 कनाडाई डॉलर से बढ़ाकर 20,635 कनाडाई डॉलर कर दी गई है। पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के नियम भी कड़े किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत से 3.25 लाख स्टडी परमिट जारी किए गए थे, जिससे भारत सबसे बड़ा स्रोत देश बना हुआ था। नई नीति का असर भारतीय छात्रों पर भी पड़ा है। सिर्फ छात्रों ही नहीं, अस्थायी विदेशी कामगारों की संख्या में भी गिरावट आई है। 2024 में करीब 4 लाख नए वर्कर आए थे, जो 2025 में घटकर 2.09 लाख रह गए।

बंगाल में मतदाता सूची में वोटर का नाम शेख राजेश अली और पिता भुवनचंद्र बेरा

सुपर चेकिंग के दौरान मिली यह गड़बड़ी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर) के दौरान एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व मेदिनीपुर के पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सुपर-चेकिंग के दौरान पर्यवेक्षकों ने पाया कि एक मतदाता, शेख राजेश अली के पिता का नाम भुवनचंद्र बेरा दर्ज किया गया है। मालूम हो कि राज्य में एसआइआर की सुनवाई के दौरान आयोग ने करीब 1.5 करोड़ नोटिस जारी किए थे, जिनमें 32 लाख अनमैप्ड मतदाता और 1.2 करोड़ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी (तार्किक विसंगतियों) वाले मतदाता शामिल थे। अब जबकि 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होनी है, इस तरह की त्रुटियों ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि रिकार्ड के अनुसार, भुवनचंद्र बेरा असल में विजयकृष्ण बेरा नामक एक अन्य मतदाता के पिता हैं। पर्यवेक्षकों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि बिना किसी दस्तावेजी साक्ष्य के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) ने इस तरह की जानकारी पोर्टल पर कैसे अपलोड कर दी। आयोग के अधिकारियों का मानना है कि यह केवल मानवीय भूल नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक चूक हो सकती है। इस विसंगति को देखते हुए पर्यवेक्षकों ने दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। लाखों दस्तावेज अभी भी पेंडिंग : सूत्रों के मुताबिक, 28 फरवरी को प्रस्तावित अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तकनीकी कारणों से आगे बढ़ सकता है। मुख्य समस्या यह है कि सुनवाई प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद लाखों आवेदकों के दस्तावेज अब भी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, दो दिन पहले तक राज्य भर में कुल 1,14,772 दस्तावेज सिस्टम में दर्ज होने बाकी हैं। आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जिन 35,000 लोगों के दस्तावेज स्वीकार्य नहीं थे, उन्हें अयोग्य घोषित कर सूची से बाहर कर दिया गया है।

हैदराबाद में पूर्व पति ने घर में घुसकर की महिला की हत्या,

घरेलू हिंसा के केस को लेकर था नाराज

हैदराबाद, एजेंसी । हैदराबाद के एक शख्स ने अपनी पूर्व पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। दरअसल व्यक्ति कनाडा के एक आईटी कंपनी में काम करता था, लेकिन पूर्व पत्नी की ओर से दायर घरेलू हिंसा के मामले के कारण वह कनाडा नहीं जा सकता था। इस बात से निराश होकर उसने अपनी पूर्व पत्नी को सिर में चाकू मारकर हत्या कर दी। गौरतलब है कि महिला एक आईटी कंपनी में काम करती थी। उसने दूसरी शादी भी कर ली थी। आरोपी शख्स ने महिला को अपनी मां की मौत के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। अपनी शिकायत में महिला के दूसरे पति ने कहा कि वह तीन महीने की गर्भवती थी। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

2022 में हुई थी शादी : आरोपी व्यक्ति ने 2022 में महिला से शादी की थी। शादी भारत में हुआ था और बाद में वह व्यक्ति कनाडा चला गया। इस दौरान महिला भी उसके साथ कनाडा गई थी। हत्या के बाद आरोपी पर लुकआउट सर्कुलर जारी हो गया और उसका पासपोर्ट सस्पेंड कर दिया गया। वह कनाडा वापस नहीं जा सका। 2024 में दोनों का तलाक हो गया था। तलाक के बाद महिला ने अप्रैल 2025 में दूसरी शादी कर ली। आरोपी मार्च 2025 में अपनी मां की मौत के बाद भारत लौटा था। वह बेरोजगार हो गया और तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में अपने माता-पिता के घर रहने लगा। आरोपी को लगता था कि पूर्व पत्नी की वजह से उसे और उसके परिवार को मानसिक पीड़ा हुई। वह अपनी मां की मौत को भी इसी मानसिक तनाव से जोड़ता था। वह महिला की नई जिंदगी और दूसरी शादी से और ज्यादा खफा था।

कैसे की हत्या की प्लानिंग : आरोपी ने ठान लिया कि वह महिला को मार डालेगा। उसने सोशल मीडिया के जरिए उसका पता लगाया। दो महीने पहले वह हैदराबाद आ गया और एक हॉस्टल में रहने लगा। उसने महिला के अपार्टमेंट की रेकी की और पूरी प्लानिंग की। बुधवार को वह एक बैग लेकर महिला के घर पहुंचा। बैग में दो चाकू, एक ड्रिलिंग मशीन और पांच लीटर पेट्रोल का डिब्बा था। उसने घर में घुसकर महिला जिस कमरे में थी, वहां पहुंचा और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद आरोपी ने महिला के सिर में बार-बार चाकू मारकर उसे तुरंत मौत के घाट उतार दिया। महिला की सास बालकनी पर थीं, जब यह वारदात हुई। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को फोन किया। पुलिस टीम पहुंची तो आरोपी ने कमरे में हर तरफ पेट्रोल छिड़क दिया था और खुद को टॉयलेट में बंद कर लिया था। उसने धमकी दी कि वह कमरे को आग लगा देगा। पुलिस ने काफी मनाने के बाद उसे टॉयलेट से बाहर निकाला और गिरफ्तार कर लिया।

कुख्यात आरोपित भय्यू लाला की संदिग्ध मौत

पुलिस के डर से छुपा था पलंग पेटी में

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम सुरजनी में कुख्यात आरोपित भय्यू लाला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके घर पर पुलिस ने दबिश दी थी जिनसे बचने के लिए वह पलंग पेटी में छुप गया था और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। भय्यू लाला पर लगभग 19 प्रकरण दर्ज है। मिली जानकारी के अनुसार सीतामऊ पुलिस ने बुधवार रात में भय्यू लाला की तलाश में ग्राम सुरजनी में उसके घर पर दबिश दी थी। तब भय्यू लाला घर पर ही था। और पुलिस के डर से वह पलंग पेटी में छुप गया। थोड़ी देर घर के छान बीन कर पुलिसकर्मी चले गए। इधर पेटी के अंदर दम घुटने से भय्यू लाला की मौत हो गई। हालांकि भय्यू लाला के परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस ने घर मे घुसकर मारा है! 25 लाख रुपये मांगने का भी आरोप लगाया है। और घर से डीवीआर ले जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार भय्यू लाला पर 19 अपराध दर्ज है। उसकी हिस्ट्री शीट भी खुली हुई थी। लाला पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित था।

मुंबई पुलिस को भी तलाश थी : कुछ माह पहले मुंबई पुलिस ने भी जावरा से भय्यू लाला के दो गुर्गों को 10 किलो एमडी के साथ जावरा में पकड़ा था। तबसे मुंबई पुलिस को भी उसकी तलाश थी।

दिल्ली में फर्जी एनआईए आई-कार्ड के सहारे नौकरी का झांसा देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी । राजधानी दिल्ली में फर्जी पहचान पत्र के जरिए नौकरी दिलाने का झांसा देने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना पुलिस की गश्ती टीम ने बुधवार को लाल किला क्षेत्र के पीछे दिल्ली चलो पार्क के पास एक संदिग्ध वाहन से आरोपी को हिरासत में लिया। वाहन में उसके साथ एक नाबालिग भी मौजूद था, जिसे बाद में परिजनों के संपर्क में लाया गया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपी के पास से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक कथित पहचान पत्र बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में यह आई-कार्ड फर्जी पाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एनआईए इस प्रकार का कोई पहचान पत्र जारी नहीं करती। जांच में सामने आया कि आरोपी इसी फर्जी पहचान के जरिए लोगों पर रौब जमाकर उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देता था।

स्वरोजगार योजनाओं में 31 मार्च तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं: मुख्य सचिव

किसान मित्र सूर्य घर योजना का लाभ सभी किसानों को दें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर 31 मार्च के पहले बैंकों के साथ कम से कम दो बैठकें करके स्वरोजगार योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं। छोटे-छोटे स्वरोजगार भी आर्थिक उन्नति का बड़ा अवसर देते हैं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लंबित तथा बैंकों द्वारा निरस्त किए गए प्रकरणों की समीक्षा करके इन्हें स्वीकृत और वितरित कराएं जिला उद्योग संवर्धन समिति की हर माह बैठक आयोजित करके औद्योगिक निवेश की समीक्षा करें उद्योगों की स्थापना के लिए जमीन आवंटन तथा अन्य आवश्यकताएं तय समय पर पूरा करें नए औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण के लिए भी जमीनों का चिन्हांकन कर लें आर्थिक विकास के लिए 79 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं उद्योगों की स्थापना से आर्थिक विकास को गति मिलेगी सभी कलेक्टर प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल पर संबंधित विभागों की जानकारियाँ दर्ज कराएं। योजनाओं की मॉनीटरिंग में इस पोर्टल का उपयोग करें मुख्य सचिव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संरक्षण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं प्रदेश में 41 जिलों में सरकारी भवनों में रूफ्टाप सोलर प्लांट लगाने का कार्य पूरा हो गया है प्रधानमंत्री किसान मित्र सूर्य घर योजना में किसान से नाममात्र की राशि लेकर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं इसमें बैंक ऋण में किसी भी तरह जमीन बंधक रखने का प्रावधान नहीं है। इस वर्ष एक लाख सिंचाई पंपों में सौर ऊर्जा से कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है हर किसान को सौर ऊर्जा के उपयोग से जोड़े इस वर्ष प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है इसकी कार्ययोजना तत्काल तैयार कराकर उसके अनुरूप गतिविधियाँ संचालित करें संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें।

मर्डर केस का एसपी ने किया रिव्यू, घटनास्थल का मुआयना भी किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी विकासखंड में चर्चित पुजारी हत्या प्रकरण की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बुधवार रात विस्तृत निरीक्षण किया उन्होंने जांच की दिशा और गति का जायजा लिया एसपी रात लगभग 10 बजे पहुंचे और करीब 11 बजे तक थाने में रिकॉर्ड की जांच की।उन्होंने घटनास्थल, आरोपी के घर और संबंधित मंदिर का भी निरीक्षण किया इस दौरान विवेचना से जुड़े दस्तावेजों, केस डायरी और साक्ष्यों का बारीकी से परीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मृतक पुजारी के परिजन भी थाने पहुंचे उन्होंने एसपी से सीधे संवाद कर निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई एसपी ने उन्हें आश्वस्त किया कि पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही हैं मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने भी एसपी से बातचीत की एसपी संतोष कोरी ने बताया कि वे हत्या प्रकरण की जांच के चरण, अब तक की प्रगति और आगे की प्रक्रिया का मूल्यांकन करने कुसमी आए थे उन्होंने स्पष्ट किया कि मर्डर से संबंधित सभी रिकॉर्ड व साक्ष्य न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत शीघ्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, 21 पशु मुक्त कराए गए; 3 तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। गोहपारू पुलिस ने पशु तस्करी के एक बड़े मामले का भंडाफोड़ किया है पुलिस ने गुरुवार तड़के लगभग 5 बजे बूचड़खाने ले जाए जा रहे मवेशियों से भरे एक ट्रक को पकड़ा इस कार्रवाई में 21 मवेशियों को मुक्त कराया गया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया यह ट्रक अनूपपुर जिले से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश पासिंग एक ट्रक में अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी की जा रही है मुखबिर ने वाहन का नंबर और रंग भी बताया था सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल रणनीति बनाई फॉरेस्ट बेरियल के पास नाकाबंदी की गई और एक निजी ट्रक खड़ा कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया गया जैसे ही संदिग्ध ट्रक वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तलाशी के दौरान ट्रक में ठूंस-ठूंसकर लगभग 21 मवेशी भरे पाए गए मौके पर डायल 112 के दो वाहन और थाने से अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद था आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पहले से की गई घेराबंदी के कारण वे सफल नहीं हो सके पुलिस ने चालक सहित तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए मवेशियों को बूचड़खाने ले जाया जा रहा था सभी मवेशियों को सुरक्षित निकालकर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर पूछताछ जारी है पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले ही झींक बिजुरी चौकी पुलिस ने जंगलों के रास्ते पैदल मवेशियों की तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया था।

सूखे कुएं में 3 दिन से फंसा था चीतलं वन विभाग और ग्रामीणों ने बाहर निकाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बहरी वन परिक्षेत्र के सरदा बीट में गुरुवार को एक चीतल का सफल रेस्क्यू किया गया यह चीतल पिछले तीन दिनों से एक सूखे कुएं में फंसा हुआ था ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे सुरक्षित बाहर निकाला कुएं से आ रही आवाजों को सुनकर ग्रामीणों ने जब अंदर झांका, तो वहां चीतल फंसा हुआ नजर आया इसके बाद तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई परिक्षेत्र अधिकारी प्रीति अहिरवार के निर्देश पर वनपाल पंकज मिश्रा और उनकी टीम रेस्क्यू के लिए पहुंची रेस्क्यू के दौरान ग्रीन नेट (जाली) का उपयोग किया गया। सावधानी से जाली को कुएं में उतारकर चीतल को उसमें फंसाया गया और फिर धीरे-धीरे उसे ऊपर खींचकर बाहर निकाला गया। इस कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने भी वन विभाग की टीम की मदद की बाहर निकालने के बाद जांच में पाया गया कि गिरने के कारण चीतल के जबड़े और पैर में हल्की चोटें आई थीं। वन विभाग की टीम ने मौके पर ही उसे प्राथमिक उपचार दिया। चोटों पर हल्दी का लेप लगाया गया और स्थिति सामान्य होने पर उसे सुरक्षित रूप से वापस जंगल में छोड़ दिया गया।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर पालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण के साथ प्रीसिटिंग बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 का आयोजन जिला न्यायालय तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा इसी क्रम यतीन्द्र कुमार गुरू विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत की अध्यक्षत में नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु गुरुवार 19 फरवरी को नगर पालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण के साथ जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन में प्रीसिटिंग बैठक का आयोजन किया गया बैठक के दौरान विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत यतीन्द्र कुमार गुरू ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे लोक अदालत योग्य प्रकरणों की पहचान उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध करें एवं अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते से निस्तारण कर न्याय व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में सहयोग प्रदान करें नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा बैठक में आपसी विवादों के समाधान एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोक अदालत की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक मामलों को आपसी सहमति से निस्तारित करने के निर्देश प्रसारित किए गए।

जिला वनोपज सहकारी संघ द्वारा वन मण्डल स्तरीय शाखकर्तन कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वर्ष 2026 के तेन्दूपत्ता सीजन के संदर्भ में वन मण्डल स्तरीय शाखकर्तन कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी 2026 को प्रसंस्करण केन्द्र गांधीग्राम में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता वन मण्डल अधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक, जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी द्वारा की गई कार्यशाला में उप वन मण्डल अधिकारी सीधी एवं मझौली, समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारी (सामान्य वन मण्डल सीधी), जिला यूनियन के अध्यक्ष, संचालक मंडल के सदस्य, जिला वनोपज यूनियन सीधी अंतर्गत आने वाली 51 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के रोकड़पाल, फड़ अभिरक्षक, समिति अध्यक्ष एवं प्रबंधक तथा फड़मुंशी उपस्थित रहे बैठक में बताया गया कि इस वर्ष जिला यूनियन के अंतर्गत 1,06,411 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है अच्छी गुणवत्ता के शाखकर्तन कार्य, शाखकर्तन मजदूरी का समय पर भुगतान, एकलव्य शिक्षा विकास योजना के प्रचार-प्रसार, संग्राहकों का सर्वे रजिस्टर तैयार करने, गुणवत्ता युक्त तेन्दूपत्ता संग्रहण, 50 पत्तों की गड्डी बनाने तथा समय पर संग्रहण भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों, नोडल अधिकारियों एवं प्रबंधकों को विस्तृत समझाइश दी गई चर्चा के दौरान कार्य में आने वाली कठिनाइयों के समाधान के उपायों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला उपरांत प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति गांधीग्राम अंतर्गत ग्राम गांधीग्राम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अच्छी गुणवत्ता का शाखकर्तन कराने हेतु शाखकर्तन कार्य का प्रदर्शन भी कराया गया।

एनटीपीसी विंध्याचल पाइपलाइन फटी, सड़क पर आया मलबा; सैकड़ों टन फ्लाई ऐश फैला

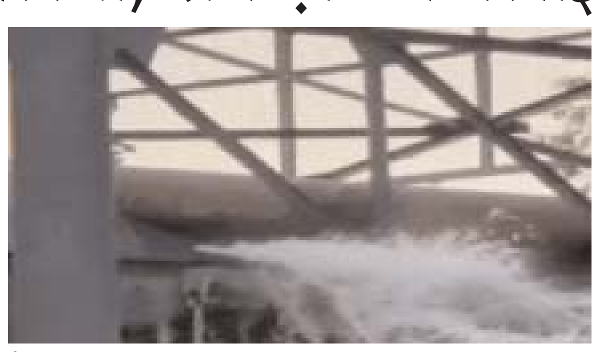

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में स्थित देश के सबसे बड़े बिजली संयंत्रों में से एक, एनटीपीसी विंध्याचल की फ्लाई ऐश पाइपलाइन गुरुवार दोपहर अचानक फट गई इस हादसे के बाद सैकड़ों टन राख (फ्लाई ऐश) और पानी का मिश्रण तेज दबाव के साथ विंध्यनगर से शक्तिनगर (उत्तरप्रदेश) को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर आ गया अचानक हुए इस घटनाक्रम से मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया पाइपलाइन फटने से सड़क पर भारी मात्रा में कीचड़ जैसा मलबा जमा हो गया, जिससे मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के समय सड़क से गुजर रहे कई दोपहिया वाहन चालक संतुलन बिगड़ने से गिर पड़े गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। मलबे के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन घंटों तक बाधित रहा हादसे के काफी देर बाद एनटीपीसी की तकनीकी और आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची टीम ने सबसे पहले पाइपलाइन की सप्लाई बंद की और मरम्मत का कार्य शुरू किया सड़क पर फैले फ्लाई ऐश को हटाने के लिए मशीनें लगाई गईं, ताकि फिसलन कम की जा सके और यातायात को दोबारा बहाल किया जा सके देर शाम तक मार्ग की सफाई का कार्य जारी रहा प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप स्थानीय वार्ड पार्षद प्रेम सागर ने इस घटना के लिए एनटीपीसी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया उन्होंने आरोप लगाया कि फ्लाई ऐश सप्लाई करने वाली पाइपलाइनें काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं लेकिन समय पर उनका रखरखाव नहीं किया जा रहा है पार्षद ने बताया कि पूर्व में भी लीकेज के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद प्रबंधन ने कोई स्थायी ठोस कदम नहीं उठाया इस संबंध में जब एनटीपीसी प्रबंधन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो जनसंपर्क अधिकारी शंकर सुब्रमण्यम ने व्यस्तता का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में धूमधाम से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट स्थित पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में महान मराठा सेनानी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह, श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई कार्यक्रम में विद्यालय की प्रवासन नीति के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय हिंगोली महाराष्ट्र से आए माइग्रेशन विद्यार्थियों ने विशेष प्रस्तुतियाँ दीं इस दौरान भाषण एव शिव गर्जना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे माइग्रेशन छात्र मास्टर बद्रीनाथ गाड़ें एवं छात्रा गायत्री आसुरे ने मराठी भाषा में प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया मास्टर सर्वेश रामन गिरे ने हिंदी तथा सुमित महामुने ने अंग्रेजी भाषा में अपने विचार व्यक्त किए प्रवासन छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शिव गर्जना ने वातावरण को जोश एवं उत्साह से भर दिया स्थानीय विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई कक्षा 12वीं के छात्र मोहित ने दमदार शिव गर्जना प्रस्तुत कर सभी को प्रेरित किया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया अपने उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को शौर्य, साहस, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति के प्रतीक शिवाजी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया यह आयोजन उप प्राचार्य एस.के. तिवारी, माइग्रेशन इंचार्ज सुलभा रहाटे (टीजीटी मराठी), सतीश रहाटे (पीजीटी), सुधीर सरोज (पीजीटी हिंदी), सावन भगत (टीजीटी मराठी) एवं समस्त स्टाफ के सहयोग से सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके विचारों एवं उनकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

नगर निगम परिषद बैठक हंगामे के बाद स्थगित

भाजपा-कांग्रेस पार्षदों ने किया बहिष्कार; बोले-विकास मुद्दों पर चर्चा नहीं करते

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम परिषद की बैठक 11 महीने बाद गुरुवार को हुई लेकिन बैठक शुरु होते ही हंगामा हो गया बैठक शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया भाजपा और कांग्रेस के कुल 25 पार्षदों ने परिषद का बहिष्कार करते हुए सदन से बाहर जाने का फैसला किया। स्थिति को देखते हुए नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने कार्रवाई स्थगित करने की घोषणा की कांग्रेस पार्षद अनिल कुमार ने परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक मनमाने ढंग से चलाई जा रही है और प्रस्तावों को बिना सहमति के जोड़ा या घटाया जा रहा है उनके अनुसार, शहर के विकास से जुड़े किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हो रही है पार्षदों ने नगर निगम अधिकारियों पर लगातार भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया इन आरोपों के बाद अधिकांश पार्षद सदन से बाहर चले गए। कांग्रेस पार्षद राजेश सिंह ने महापौर रानी अग्रवाल पर नियमों की अनदेखी और मनमानी करने का आरोप लगाया शेखर सिंह ने कहा कि परिषद में समय बर्बाद हो रहा है और वास्तविक विकास कार्यों पर कोई गंभीर चर्चा नहीं हो रही है वहीं, महापौर रानी अग्रवाल ने परिषद में प्रस्तुत होने वाले प्रस्तावों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की उन्होंने कहा कि उन्हें प्रस्ताव जोड़ने और घटाने का अधिकार है इस मुद्दे पर कुछ देर तक तीखी बहस हुई बाद में नगर निगम अध्यक्ष और अधिकारियों ने नगर पालिका निगम अधिनियम का हवाला देकर स्थिति स्पष्ट की इसके बाद परिषद की बैठक को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया पूरी बैठक के दौरान शहर के विकास से संबंधित किसी भी अहम मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी इससे नागरिकों में निराशा का माहौल है।

5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा 20 फरवरी से प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड पैटर्न पर वार्षिक परीक्षाएं 20 फरवरी से प्रारंभ होकर 28 फरवरी 2026 तक संचालित की जाएंगी परीक्षा हेतु समस्त दिशा-निर्देश एवं समय-सारणी जारी कर दी गई है एपीसी अकादमिक विष्णु पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रश्न पत्रों का वितरण गोपनीय रूप से जिले के 64 जन शिक्षा केंद्रों में कर दिया गया है तथा उन्हें जनशिक्षा केंद्र प्रभारियों की अभिरक्षा में सुरक्षित संधारित किया गया है जनशिक्षा केंद्र प्रभारी द्वारा संबंधित केंद्राध्यक्षों को प्रत्येक परीक्षा दिवस प्रश्न पत्र के पैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे तथा परीक्षा उपरांत पुनः अपनी अभिरक्षा में सुरक्षित रखे जाएंगे।

एआई क्रांति की चुनौतियां

संपादकीय

एआइ अकल्पनीय संभावनाओं वाली नई तकनीक है, जो निरंतर उन्नत हो रही है, पर उसके दुरुपयोग के खतरे भी हैं। इसलिए सरकार को अपने लोगों और विशेष रूप से छात्रों को एआइ की विशेषताओं एवं जटिलताओं से परिचित कराना आवश्यक है। यह सही समय है कि शिक्षा संस्थानों में एआइ के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

जब एआइ इंपैक्ट समिट के कारण भारत देश-दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, तब यह अच्छा नहीं हुआ कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक्सपो में एक निजी यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोटिक डाग को अपना बताकर प्रस्तुत कर दिया। देश को असहज करने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को एक्सपो से बाहर का रास्ता दिखाकर बिल्कुल सही किया गया।

यह स्वाभाविक है कि विदेशी मीडिया माध्यम इस प्रकरण को तूल देने में जुट गए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अपने ढंग के विशिष्ट इस वैश्विक सम्मेलन की महत्ता को अनदेखा कर दिया जाए। इतना अवश्य है कि उक्त प्रकरण से भारत सरकार को चेत जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआइ तकनीक विकसित करने के नाम पर नकल न होने पाए और न ही इस क्षेत्र की कंपनियां विदेशी कंपनियों पर आश्रित होने पाएं।

आज जब दुनिया एआइ क्रांति के मुहाने पर है एवं भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है और इसी कारण दुनिया भर की नामी एआइ कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआइ क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। यह ठीक है कि सरकार की ओर से एआइ के उपयोग और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में बताया जा रहा है, लेकिन उसे कैसे, किन क्षेत्रों में और किस सावधानी के साथ अमल में लाना है, इसका खाका बनाने का काम टेक्नोक्रेट को करना चाहिए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग से लेकर शासन-प्रशासन में इस तकनीक के उपयोग को लेकर पूरी तरह स्पष्टता रहे। एआइ क्षेत्र की भारतीय कंपनियों को इस तथ्य से परिचित होना आवश्यक है कि भाषाई एवं सामाजिक विविधता और आर्थिक विषमताओं के कारण उन्हें एआइ टूल्स अलग तरह से विकसित करने होंगे। इस तकनीक का न केवल भारतीयकरण होना चाहिए, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभुत्व से मुक्त भी होना चाहिए। ऐसा होने पर ही एआइ सर्वजन हिताय और बहुजन सुखाय के मंत्र को सिद्ध कर सकेगी।

आत्म-साक्षात्कार व शब्द का महत्व

संजय गोस्वामी

अपने शुद्ध आत्म स्वरूप को पहचान कर जगत के बंधन को तोड कर चेतन लोक को गमन करो। शरीर के अंदर मुलाधार , स्वाधिष्ठान, मणिपुरक आदि आठ चक्रों का शोधन करते हुए उनका ज्ञान करते हुए ब्रह्मांड में जाओ जहां पर पंच शून्य स्थानों में जगमग प्रकाश हो रहा है। चाचरी भूचरी अगोजरी मुद्रा त्याग कर खेचरी उनमुनी से पार अपनी चेतना को दशम द्वारा से उर्ध की ओर ले जाओ। यह मन को शांत और स्थिर रखने के साथ-साथ तनाव से राहत दिलाने में भी अच्छा है। आंखें मजबूत हो जाती हैं और आत्मनिरीक्षण की क्षमता उत्पन्न होती है। मूलाधार चक्र का जागरण और संतुलन करना है ।पंच ब्रह्मांडीय शब्द निरंजन, ओम सोहम शक्ति ररंकार को त्याग कर सत्य शब्द परम प्रभु को चेतन प्रदेश में प्रत्यक्ष देखो। तुम्हारे शरीर में दशम द्वारा जो बंद पड़ा है।उसे गुरु विधान से तुम खोलकर मकर डोरी जो प्रभु से तुम्हारी आत्मा तक लगी है को पकड़ लो तत्पश्चात प्रभु के दिव्य प्रकाश को वहां पहुंच कर देखो उस परमात्मा के स्वरूप का वर्णन मै क्या करु। उसके दिव्य चेतन प्रकाश में असंख्य सुर्य का प्रकाश लज्जित हो जाता है उस प्रभु को प्राप्त करने पर संसार के त्रयताप छुट जाते हैं। और आत्मा सारे बंधनों को छोड़ कर शास्वत आनंद प्राप्त करता है सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज कहते हैं।इस दुर्लभ रहस्य पूर्ण गोपनीय चेतन साधन को करोड़ों मनुष्य में कोई एक जौहरी पारखी भाग्यशाली व्यक्ति प्राप्त करता है आत्म-बोध या चेतना है। यह केवल जानकारी नहीं, बल्कि खुद को और वास्तविकता को गहराई से जानने का अनुभव है। इसके अलावा, ज्ञान, विवेक, और बोध स्वयं भी ज्ञान के बोध के लिए महत्वपूर्ण शब्द हैं, जो समझने की क्षमता को दर्शाते हैं। प्रमुख शब्द और उनके अर्थः आत्म-बोध यह सबसे गहरा शब्द है, जो स्व-ज्ञान और वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति को दर्शाता है। बोधः यह इंद्रिय और अनुभव से प्राप्त ज्ञान का बोध कराता है। चेतनाः यह मानसिक जागरूकता और ज्ञान को ग्रहण करने की क्षमता है। विवेक:: यह सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता प्रदान करता है। अनुभव : यह ज्ञान प्राप्ति का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रत्यक्ष ज्ञान की पुष्टि करता है। प्रमुख कारण और विवरणः विभिन्न शब्दकोशः शब्दों की उत्पत्ति के आधार पर उन्हें तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी जैसे विभिन्न वर्गों में बांटा जाता है, जिससे उनकी विविधता बनी रहती है भावनात्मक और संदर्भगत अंतरः अलग-अलग शब्दों के माध्यम से व्यक्ति विभिन्न भावनाओं और संदर्भों को व्यक्त करता है, जिससे अर्थ में सूक्ष्म अंतर आ जाता है। अनेकार्थक और समानार्थक शब्दः हिंदी में कुछ शब्द एक समान लिखे/बोले जाते हैं लेकिन उनके अर्थ बिल्कुल अलग हो सकते हैं (अनेकार्थक), या उच्चारण समान होने पर भी अर्थ में भिन्नता हो सकती है (समरूपी शब्द)। वाक्य रचना में भिन्नताः बोलचाल या लेखन में लोग अपनी भावनाओं के अनुसार शब्दों का चयन और प्रयोग करते हैं, जो उनके विचारों को अद्वितीय बनाते हैं। ज्ञानवर्धक वचनों या सद्गुरु के वचनों) से जीवन में आत्मज्ञान (स्वयं की पहचान, सत्य और अपनी शक्तियों का बोध) प्राप्त होता है। यह ज्ञान न केवल मानसिक शांति, आत्म-विकास और जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करता है, बल्कि संसार के नश्वर स्वरूप (परिवर्तन ही नियम है) से परिचय कराकर मन में संतुलन और स्थिरता लाता है। आत्मज्ञान के संदर्भ में मुख्य बातें: शब्दों का महत्वः अक्सर किसी ज्ञानी व्यक्ति के शब्द या उपदेश व्यक्ति को भीतर की ओर देखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे स्वयं का अनुभव और विश्वास बढ़ता है। आत्म-साक्षात्कार की प्रक्रियाः यह एक गहरी समझ है जिसमें यह पता चलता है कि हम कौन हैं, हमारा मूल क्या है और हमारे दुखों या सुखों का कारण क्या है। दृष्टिकोण में बदलावः आत्मज्ञानी व्यक्ति संसार के सुख-दुख, मान-अपमान से प्रभावित नहीं होते, वे अत्यंत साधारण जीवन जीते हैं और संतोष का अनुभव करते हैं। परिणामः जब शब्दों का प्रभाव गहरा होता है, तो व्यक्ति का अहंकार कम होता है और वह अपने वास्तविक स्वरूप को जानकर मोह-माया से मुक्त हो जाता है। हिन्दू समाज में मान्यता है कि वेद में भगवान राम का वर्णन है जिसके नाम पर अनेक पौराणिक कथाओं का सृजन हुआ है। उन्हीं राम की पूजा-उपासना वैदिक काल से आज तक चली आती है।

इनदिनों एप्सटीन फ़ाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के क़ानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फ़ाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफ़ाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज़, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह क़ानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे।

एप्सटीन फाइल्सः यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हक़ीक़त

निर्मल रानी

इसी क़ानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फ़ाइल्स जारी की। परन्तु इन फ़ाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज़्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फ़ोटो शामिल थे। एप्सटीन फ़ाइल्स के इसी ख़ुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नक़ाब हटने लगी। इन फ़ाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफ़िकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

ग़ौरतलब है कि जेफ़री एप्सटीन, एक अमीर फ़ाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग़ लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फ़ाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन ख़ुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफ़े देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फ़ाइल्स के ख़ुलासे के अनुसार तो जेफ़री एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाक़ात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सज़ायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाक़ात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति ख़ुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाक़ात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफ़ेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफ़ों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफ़री एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफ़िकिंग ऑफ़ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग़ लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग़ लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नज़र में महिलाओं, ख़ासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफ़ेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर ख़ुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग़ लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ? निश्चित रूप से एपस्टीन फ़ाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। ख़ासकर ग़रीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमज़ोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दर्शाता है कि शक्तिशाली लोगों की नज़र में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साज़िश है।

इसलिये एप्सटीन फ़ाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाज़ी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की ग़रज़ से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, स्नक्क्ष की जांच में ट्रैफ़िकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फ़ाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फ़ाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हक़ीक़त को उजागर करती है।

मध्यप्रदेश के कर्ज का मर्ज : विकास, दबाव और भविष्य की राह

भूपेन्द्र गुप्ता

किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत को समझने के लिए उसके कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात को एक अहम पैमाना माना जाता है। मध्यप्रदेश भी पिछले दो दशकों में कर्ज के उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा है। आज जब राज्य का कुल कर्ज लगभग पाँच लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्तर पर पहुँच चुका है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह कर्ज विकास का साधन है या वित्तीय दबाव का संकेत।

साल 2003-04 के आसपास मध्यप्रदेश की स्थिति अपेक्षाकृत कठिन मानी जाती थी। उस समय राज्य का ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 36 प्रतिशत के आसपास था। सीमित राजस्व, अधिक ब्याज भुगतान और आर्थिक वृद्धि की धीमी गति के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव था। शुरुआती दशक में राज्य को वित्तीय अनुशासन लागू करने और राजकोषीय सुधारों की जरूरत महसूस हुई। इसके बाद राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून (स्नत्रक्ररू) और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के मधमोहन सरकार के प्रयासों ने धीरे-धीरे असर दिखाया।

2005 से 2020 के बीच का समय मध्यप्रदेश के लिए अपेक्षाकृत संतुलन का दौर कहा जा सकता है। इस अवधि में राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और जीएसडीपी का आकार बड़ा हुआ। परिणामस्वरूप ऋण-जीडीपी अनुपात कमलनाथ सरकार मे घटकर 2020 लगभग 25 प्रतिशत के आसपास आ गया, जो वित्तीय दृष्टि से अपेक्षाकृत सुरक्षित स्तर माना जाता है। यह गिरावट इस बात का संकेत थी कि आर्थिक वृद्धि की गति कर्ज की वृद्धि से अधिक रही। उस समय राज्य की वित्तीय स्थिति को सुधार की दिशा में माना गया।

हालांकि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक परिदृश्य बदल गया। स्वास्थ्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, बुनियादी ढाँचे पर निवेश और बिजली क्षेत्र से जुड़ी देनदारियों ने राज्य के कुल कर्ज को तेजी से बढ़ाया। हालिया अनुमानों के अनुसार मध्यप्रदेश का कुल कर्ज करीब 5.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है और ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 30-31 प्रतिशत के आसपास माना जा रहा है। यह स्तर 2004 के मुकाबले कम जरूर है, लेकिन 2020 की तुलना में अधिक है। यानी राज्य फिर से मध्यम स्तर के कर्ज दबाव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

कर्ज को हमेशा नकारात्मक नजरिए से देखना सही नहीं होता। यदि उधार लेकर सड़कों, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश किया जाए तो यह भविष्य की आर्थिक वृद्धि का आधार बन सकता है। मध्यप्रदेश में पिछले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक योजनाओं पर खर्च बढ़ा है, जिससे विकास की संभावनाएँ मजबूत होती हैं। लेकिन दूसरी ओर, बढ़ता कर्ज ब्याज भुगतान का बोझ भी बढ़ाता है। बजट का एक बड़ा हिस्सा यदि सिर्फ पुराने कर्ज की अदायगी में चला जाए तो नए विकास कार्यों के लिए संसाधन सीमित हो जाते हैं।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो मध्यप्रदेश की स्थिति कुछ अत्यधिक कर्जग्रस्त राज्यों से बेहतर है, फिर भी महाराष्ट्र या कर्नाटक जैसे अपेक्षाकृत कम कर्ज वाले राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश की स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण कही जा सकती है। इसका अर्थ यह है कि राज्य को संतुलित वित्तीय रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि विकास भी जारी रहे और कर्ज का बोझ अनियंत्रित न हो। भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि राज्य अपने राजस्व स्रोतों को मजबूत करे।

सामाजिक न्याय दिवसः न्याय बने विकास की कसौटी

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता

योगेश कुमार गोयल

(सामाजिक न्याय का विश्व दिवस (20 फरवरी) पर विशेष)

यह एक चेतावनी भी है कि बढ़ती असमानताएं समाज की नींव को भीतर से कमजोर कर रही हैं और साथ ही एक अवसर भी है कि समय रहते ठोस नीतियों, संवेदनशील शासन और सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण,

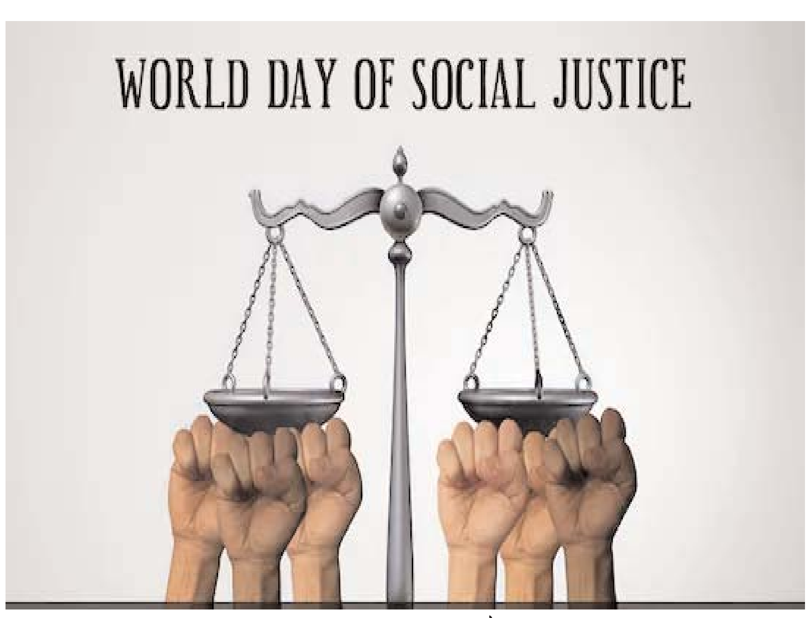

तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय, और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं, और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में मलेरिया व टीबी उन्मूलन हेतु दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में ब्लॉक भरतपुर अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर के सभाकक्ष में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का सफ्ल आयोजन किया गया प्रशिक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना तथा मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़ए संवेदनशील एवं परिणामोन्मुखी बनाना रहा। कार्यशाला में स्वास्थ्य अमले को रोग नियंत्रण रोकथाम और उपचार से जुड़ी अद्यतन तकनीकी जानकारी प्रदान की गई प्रथम दिवसरू वेक्टर जनित रोगों पर फोकस 17 फरवरी 2026 को आयोजित सत्र में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मलेरियाए डेंगू एवं फाइलेरिया की रोकथाम पहचान एवं उपचार पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया मास्टर ट्रेनर के रूप में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ् नम्रता चक्रवर्ती एवं जिला मलेरिया कंसलटेंट संजीत सिंह ने लक्षणों की शीघ्र पहचान समयबद्ध जांचए दवाओं के समुचित उपयोग तथा फील्ड स्तर पर आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता और त्वरित उपचार से इन रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है द्वितीय दिवसरू टीबी मुक्त भारत की दिशा में पहल 18 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत विशेष सत्र आयोजित किया गया जिला क्षय अधिकारी डॉ सुधांशु पटेल एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक संतोष सिंह ने टीबी की समय पर पहचान उपचार की निरंतरता मरीजों की नियमित ट्रैकिंग तथा निक्षय पोषण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की सतर्कता और सतत फॉलोअप अत्यंत आवश्यक है गरिमामयी उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता प्रशिक्षण में खंड चिकित्सा अधिकारी डा. आर.के. रमनए बीपीएम सुलेमान खान मलेरिया एवं टीबी प्रभारी राय सिंह श्याम तथा बीईटीओ आर.पी. सोनवंशी की उपस्थिति रही।

जल जीवन मिशन बना जीवन रेखा खेतौली के तेजमान सिंह का नया सवेरा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ने ग्राम पंचायत खेतौली, विकासखंड भरतपुर, के ग्रामीण जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संचार किया है हर घर नल से जल के संकल्प ने गांव के निवासी तेजमान सिंह के जीवन को नई दिशा दी है तेजमान सिंह बताते हैं कि पहले स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के लिए उन्हें प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी कुएं और हैंडपंप से पानी लाने में समय और श्रम दोनों की अत्यधिक खपत होती थी दूषित पानी के कारण परिवार को कई बार बीमारियों का सामना भी करना पड़ता था जिससे दैनिक जीवन और आजीविका प्रभावित होती थी लेकिन जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद अब उनके घर तक नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार आया है विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिली है अब वे पानी लाने में समय गंवाने के बजाय शिक्षा और अन्य कार्यों पर ध्यान दे पा रहे हैं तेजमान सिंह ने इस परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बना रही है और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव रख रही है तेजमान सिंह की कहानी यह दर्शाती है कि जल जीवन मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है जो हर घर तक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

स्वास्थ्य पंचायत जनसंवाद सम्मेलन : मजबूत करने और समस्याओं के समाधान पर रहा फोकस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनस्वास्थ्य को मजबूत करने और आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य पंचायत जनसंवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया सम्मेलन के दौरान लोगों ने इलाज, दवाइयों की उपलब्धता, अस्पताल में सुविधाएं, डॉक्टरों की उपस्थिति, जांच व्यवस्था, एम्बुलेंस सेवा, गर्भवती महिलाओं की देखभाल जैसे विषयों पर अपनी समस्याएं और सुझाव रखे इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि शासन की योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि होने की जानकारी दी टीकाकरण और आयुष्मान योजना पर किया जागरूक डॉ. खरे ने टीकाकरण, मातृ शिशु स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य जांच शिविर, पोषण अभियान जैसी योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जिला समन्वय रेखा शिवहरे ने बताया कि जिले में 126 ग्राम सभा समितियां गठित हैं इन समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना बनाई जाती है, जिसे उच्च अधिकारियों तक भेजा जाता है

दामोदर का नरोत्तम मिश्रा पर तंज :पूर्व गृह मंत्री को बताया 'तीसरा बाबा' 11 मार्च को डबरा से ग्वालियर तक निकालेंगे पैदल मार्च

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। संकल्प यात्रा के दौरान आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर भाजपा पर तीखा हमला बोला है उन्होंने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को 'तीसरा बाबा' बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा धर्म की राजनीति के बाद अब जातिगत विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी मांगों को लेकर 11 मार्च को डबरा से ग्वालियर तक एक लाख लोगों के पैदल मार्च का ऐलान किया है प्रेस वार्ता के दौरान आजाद समाज पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे दामोदर यादव ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी सवाल उठाए उन्होंने कहा कि गुना विधायक पन्ना लाल शाक्य को महत्व नहीं दिया जा रहा है, जबकि सिंधिया के करीबी महेंद्र सिंह सिसोदिया को प्रशासनिक बैठकों में प्राथमिकता मिल रही है यादव ने दावा किया कि सिसोदिया की बैठकों में कलेक्टर और एसपी मौजूद रहते हैं जबकि जनता द्वारा चुने गए विधायक को सम्मान नहीं मिल रहा है इस दौरान उन्होंने विधायक पन्ना लाल शाक्य को आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया यादव ने बताया कि सम्मान और अधिकार की मांग को लेकर 11 मार्च को डबरा से लगभग एक लाख लोग पैदल ग्वालियर के लिए रवाना होंगे इस पैदल मार्च का मुख्य उद्देश्य ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करना है उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उन्हें रोका गया तो भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा कथावाचकों को बताया 'पाखंड की दुकान' अपनी चुनावी पराजयों पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने कहा कि जो लोग व्यवस्था की गलत परंपराओं का विरोध करते हैं, वे अक्सर चुनाव हारते हैं उन्होंने कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और पंडित प्रदीप मिश्रा पर भी निशाना साधा यादव ने उन्हें 'पाखंड की दुकान' चलाने वाला बताया और कहा कि इन दुकानों को बंद कराया जाएगा बागेश्वर धाम में आयोजित विवाह सम्मेलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिखावे के कार्यों से समाज का भला नहीं होता है पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर तंज कसते हुए यादव ने कहा कि 'एक और बाबा पैदा हो गया है जिसकी दुकान भी बंद कराई जाएगी' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धरती बाबा साहब की विचारधारा की है और इसे किसी भी कीमत पर आडंबर व पाखंड की धरती नहीं बनने दिया जाएगा।

असर्वेक्षित भूमि सर्वेक्षण पूर्ण 10.50 हेक्टेयर भूमि का अंतिम प्रकाशन 15 दिन में करें दावा आपत्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राजस्व निरीक्षक मंडल एवं तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत स्थित आश्रित ग्राम चिमटीमार एवं चैनपुर के मध्य स्थित 10.50 हेक्टेयर असर्वेक्षित भूमि के भू.सर्वेक्षण कार्य के पूर्ण होने की आधिकारिक घोषणा की गई है इस सर्वेक्षण के बाद अब अंतिम प्रकाशन के लिए तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम चिमटीमार का एक नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है सर्वेक्षण दल ने संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन कर निस्तार पत्रकए नक्शा तथा खसरा तैयार किया है यह सभी दस्तावेज अब हल्का पटवारी द्वारा संधारित राजस्व अभिलेख खसरा और नक्शा भू.धारकों और आम जनता के अवलोकन हेतु संबंधित ग्राम पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध कराए जाएंगे जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस तैयार नक्शा शीट और खसरे के संबंध में कोई दावा या आपत्ति होए तो वे प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर लिखित अथवा भौतिक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं यह आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से संबंधित ग्राम पंचायत भवन में किया जा सकता है दावा या आपत्ति के लिए निर्धारित समय सीमा 15 दिन के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा अतः संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं को समय पर अपनी आपत्ति दर्ज कराने की सलाह दी जाती है।

अगले महीने देवकीनंदन ठाकुर की कथा :

योगी आदित्यनाथ और डॉ. मोहन यादव भी होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। 19 से 25 मार्च तक विश्वविख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा और 1000 सहस्त्र चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भी शामिल होने की संभावना है इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन की घोषणा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी नीलमणि दास जी महाराज (खेड़ापति दरबार) ने एक प्रेस वार्ता में की। यह कार्यक्रम झांसी रोड स्थित हवाई पट्टी के पीछे नर्सरी ग्राउंड पर होगा आयोजन में देवकीनंदन ठाकुर प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे इसके बाद रात 8 बजे से 11 बजे तक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति संगीत का आनंद ले सकेंगे आयोजकों ने हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने का दावा किया है प्रेस वार्ता में बताया गया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कार्यक्रम में उपस्थित रह सकते हैं इसके अतिरिक्त, देशभर से कई संत-महात्मा और धर्माचार्य भी आयोजन में पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे।

कलेक्ट्रेट घेरने निकले कांग्रेसियों की पुलिस से झूमाझटकी : मनरेगा बचाव संग्राम में शक्ति-प्रदर्शन, विजय बोले-गांधी नाम से डरती है सरकार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। केंद्र सरकार की तरफ से मनरेगा का नाम बदलने और एक्ट बनाने के विरोध में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस ने आज बिलासपुर में प्रदर्शन किया। मनरेगा बचाव संग्राम नाम से नेहरू चौक पर सभा की फिर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट का घेराव निकल गए जिन्हें पुलिस ने स्टेट बैंक ब्रांच के पास सड़क पर बैरिकेड लगाकर रोकने की कोशिश की लेकिन पुलिस की घेराबंदी भेदकर कांग्रेसी आगे बढ़ गए हैं इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प और झूमझटकी हुई। हालांकि, कलेक्ट्रेट घेरने में कांग्रेसी नाकाम रहे जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर कहा कि, मांगे पूरी नहीं होगी तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रहेगा। सरकार गांधी नाम से डरती है पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि, बीजेपी सरकार गांधी के नाम से डरती है चाहे वह महात्मा गांधी हों, राजीव गांधी हों, इंदिरा गांधी हों या राहुल गांधी हों उन्हें रोकने की कोशिश हुई जब जब इस देश में बीजेपी गांधी को रोकने की कोशिश करेगी, तब तक नाथूराम गोडसे की विचारधारा नहीं चलने वाली है कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि, केंद्र सरकार मनरेगा योजना को कमजोर कर रही है उसकी जगह नया काला कानून लागू किया गया है इस फैसले से ग्रामीण मजदूरों को सीधा नुकसान हो रहा है नेताओं ने मांग की कि कथित काला कानून को तत्काल हटाया जाए देश में पहले की तरह मनरेगा व्यवस्था को मजबूत किया जाए मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि, मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका का बड़ा सहारा है। यदि यह व्यवस्था कमजोर होती है, तो मजदूरों को दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है इससे छोटे-छोटे बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है और बेरोजगारी की समस्या बढ़ती है प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई कांग्रेस नेताओं ने कहा कि, वे गरीब और मजदूर वर्ग के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ते रहेंगे कार्यक्रम में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी देखने को मिली वहीं, बिलासपुर अपर कलेक्टर शिव बनर्जी का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कोई भी ऐसी स्थिति नहीं बनी है, जिससे कानून व्यवस्था बिगड़े कांग्रेस ने शांति पूर्ण प्रदर्शन किया आगे की परिस्थिति के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी प्रदर्शन के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति इसके अलावा, प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता एक साथ अपने-अपने घरों की ओर निकलने लगे जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

टीला गांव में गाय का शिकार :खेत पर मिले तेंदुए के पदचिन्ह, ग्रामीणों में दहशत

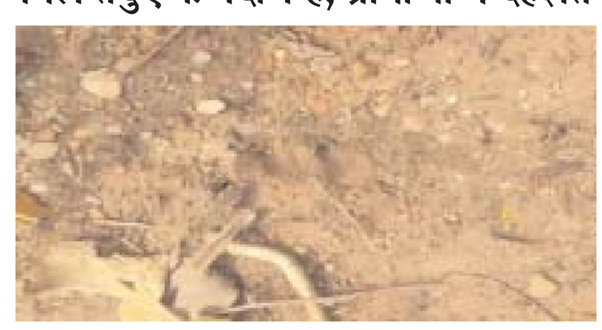

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के टीला गांव में एक खेत पर मृत गाय मिलने से हड़कंप मच गया है आशंका जताई जा रही है कि किसी जंगली जानवर, संभवतः तेंदुए ने गाय का शिकार किया है मौके पर मिले पदचिन्हों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है खेत मालिक भुवनेश दुबे ने बताया कि उनका खेत गांव से सटा हुआ है सुबह जब वे खेत पर पहुंचे तो एक गाय मृत अवस्था में मिली गाय के शरीर के मांस के टुकड़े अलग-अलग दिशाओं में बिखरे हुए थे, जिससे किसी हिंसक जानवर के हमले का संकेत मिलता है मृत गाय के आसपास कई स्थानों पर बड़े आकार के पंजों के निशान भी पाए गए हैं फोटो मिलान के आधार पर ये पदचिन्ह तेंदुए के प्रतीत हो रहे हैं हालांकि, अब तक किसी ग्रामीण ने तेंदुए को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा है ग्रामीणों का मानना है कि जंगल क्षेत्र से निकलकर तेंदुआ खेतों तक पहुंचा और उसने गाय का शिकार किया इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है लोग अपने बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहे हैं ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करने, पदचिन्हों की पुष्टि करने और गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी बड़ी घटना से पहले ही आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

20 लाख का शराब बनाने वाला सामान नष्ट :शिवपुरी में 19 हजार किलो लहान 120 लीटर कच्ची शराब फेंकी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में गुड़ लहान और कच्ची शराब जब्त की गई यह कार्रवाई कलेक्टर रविंद्र चौधरी और उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता ग्वालियर संदीप शर्मा के निर्देशन में हुई जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में वृत्त करैरा प्रभारी गौरव कुमार कोल की टीम ने फतेहपुर कंजर डेरा, गधाई चौराहा और न्यू अमोला सहित कई ठिकानों पर दबिश दी इस दौरान अवैध रूप से संचालित भट्टियों को तोड़ा गया और मौके पर तैयार की जा रही कच्ची शराब जब्त की गई छापामार कार्रवाई में लगभग 19,000 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। नियमानुसार सैंपल लेने के बाद शेष सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया इसके अतिरिक्त, 120 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब, टंकियां, ड्रम और शराब बनाने में उपयोग होने वाले अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। जब्त और नष्ट की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई गई है आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। विभाग ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, और यह कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

ऑनलाइन टास्क के नाम पर 4.32 लाख की ठगी :टेलीग्राम-व्हाट्सएप ग्रुप से युवक को फंसाया,

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। फिजीकल थाना क्षेत्र में ऑनलाइन टास्क के नाम पर एक युवक से 4 लाख 32 हजार 733 रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है शक्ति कॉलोनी गूजर ताल निवासी विवेक कुमार जैन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। फिजीकल थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है विवेक जैन ने पुलिस को बताया कि 21 जनवरी 2026 को उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था इस ग्रुप में टेलीग्राम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन व्यवसाय कर टास्क पूरे करने और राशि कमाने का प्रस्ताव दिया गया। प्रारंभिक टास्क पूरे करने पर विवेक जैन को 1430 रुपए और 4690 रुपए का भुगतान किया गया उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते में 5000 रुपए भी प्राप्त हुए, जिससे उन्हें आरोपियों पर विश्वास हो गया।विश्वास जीतने के बाद, आरोपियों ने नए टास्क देने से पहले रकम जमा कराने को कहा।

ऑपरेशन शुद्धि का महाब्लास्ट, 30 करोड़ की एमडी जब्त

अंतर्राज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट ध्वस्त

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शुद्धि के तहत थाना माचलपुर पुलिस ने ऐसी कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिसने अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्करों की कमर तोड़ दी। 4 फरवरी से 11 फरवरी 2026 के बीच चली सिलसिलेवार और रणनीतिक दबिशों में पुलिस ने एमडी ड्रग्स निर्माण और सप्लाई करने वाले बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। गिरोह के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 21.510 किलोग्राम तैयार एमडी ड्रग्स और 309 किलोग्राम से अधिक रॉ मटेरियल जब्त किया गया है। कुल जब्ती की अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी गई है। पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एसडीओपी खिलचीपुर डी.वी.एस. नागर के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई।

4 फरवरी- अवैध फैक्ट्री का खुलासाः राजस्थान के झालावाड़ से मिली सूचना पर ग्राम गोघटपुर में दबिश दी गई। यहां आरोपी रघुनंदन पाटीदार एमडी ड्रग्स का अवैध निर्माण करता पाया गया। पुलिस पहुंचते ही आरोपी फॉर्च्यूनर वाहन (ख्ख्॥ उँत0012) छोड़कर फरार हो गया। मौके से 43 किलो रॉ मटेरियल भारी मात्रा में केमिकल और उपकरण जब्त किए गए। इस कार्रवाई में करीब 4 करोड़ रुपये का माल बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

7 फरवरी- जंगल में छिपाए 266.9 किलो केमिकल बरामदः मुखबिर सूचना पर आदमपुरा के जंगल में पांच नीले ड्रम बरामद हुए। इनमें 266.900 किलोग्राम वह केमिकल था जिसका उपयोग एमडी ड्रग्स निर्माण में किया जाता है। अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये। पुलिस के दबाव में तस्करों ने इसे जंगल में फेंक दिया था। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया।

10 फरवरी- सीसीटीवी से खुली परत, तीन आरोपी गिरफ्तारः जांच के दौरान रामगढ़ की एक दुकान के सीसीटीवी फुटेज में सिल्वर मारुति वैगनआर (ऋछ02ष्टस्न2543) संदिग्ध हालत में दिखाई दी। वाहन ललित कुमार गुर्जर के नाम पंजीबद्ध पाया गया। पुलिस ने ब्राह्मणगांव क्षेत्र में घेराबंदी कर कार को रोका और तीन आरोपियों दिनेश गुर्जर, ललित गुर्जर और रामेश्वर गुर्जर को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने दीपक गुर्जर का नाम उजागर किया, जिसने ड्रम जंगल में फेंकने को कहा था।

11 फरवरी- 21.510 किलो तैयार एमडी बरामद, सरगना गिरफ्तारः थाना प्रभारी निरीक्षक भागीरथ शाक्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम माणा के पास से दीपक गुर्जर (29) को पकड़ा। उसके घर की तलाशी में किचन में रखे कार्टून से 10.160 किलो एमडी ड्रग्स बरामद हुई। उसकी निशानदेही पर रघुनंदन पाटीदार को बरखेड़ा खुर्द (राजस्थान) से हिरासत में लिया गया और सरसों के खेत से 11.350 किलो एमडी ड्रग्स बरामद की गई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

खरगोन पुलिस का ऑपरेशन प्रहार : दुर्गम शेडो एरिया में 1.49 करोड़ का अवैध गांजा जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल /खरगोन (निप्र)। मध्यप्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान के तहत खरगोन पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत बड़ी सफलता हासिल की है। दुर्गम और नो-मोबाइल नेटवर्क (शेडो एरिया) क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से कुल 5900 गांजे के पौधे जब्त किए हैं। जब्त पौधों का कुल वजन 2979 किलो 840 ग्राम है जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1 करोड़ 49 लाख 4 हजार 200 रुपये आंकी गई है। पुलिस को 18 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना चैनपुर क्षेत्र की चौकी हेलापडावा अंतर्गत कुछ खेतों में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही है। सूचना के आधार पर

विशेष टीम गठित कर ग्राम सेन्द्रीयाघाटी गुवाडा में छापामार कार्रवाई की गई। यहां से 5500 गांजे के पौधे जिनका वजन 2811 किलोग्राम और अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 40 लाख 55 हजार रुपये है, जब्त किए गए।

इसी क्रम में ग्राम तिखली बैडी पीडी जामली स्थित खेत में की गई दूसरी कार्रवाई में 400 गांजे के पौधे कुल वजन 168 किलो 840 ग्राम जिसकी कीमत करीब 8 लाख 49 हजार 200 रुपये बताई गई बरामद किए गए। यह पूरी कार्रवाई कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में की गई जहां मोबाइल नेटवर्क तक उपलब्ध नहीं था। पुलिस टीम को कई घंटों तक पैदल चलकर सघन तलाशी अभियान चलाना पड़ा। अधिकारियों के निर्देशन और स्थानीय पुलिस की रणनीतिक योजना के चलते यह सफलता संभव हो सकी।

रतलाम में मंगलसूत्र झपटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

एक बदमाश को पति ने दबोचा, पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से पकड़ा दूसरा आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के गंगासागर कॉलोनी में मंगलसूत्र झपटने की घटना सामने आई। यह वारदात सोनाली पति रितेश शर्मा निवासी एमआईजी 40 गंगासागर कॉलोनी के साथ हुई। महिला रात करीब 8.45 बजे अपने पति के साथ कॉलोनी में पैदल टहल रही थी।

पीछे से आए बाइक सवारः शिवजी के मंदिर के सामने टर्न पर पीछे से एक बाइक पर दो युवक आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने महिला के गले में पहने सोने के मंगलसूत्र पर झपटा मारा। झटके से मंगलसूत्र टूट गया और महिला के कपड़ों पर गिर पड़ा।

पति ने दिखाई सतर्कताः महिला के पति थोड़ी दूरी पर आगे चल रहे थे। जैसे ही महिला ने शोर मचाया, पति तुरंत पीछे दौड़े और बाइक सवारों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान एक बदमाश को मौके पर ही पकड़ लिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

महिला की रिपोर्ट पर केस दर्जः महिला की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ की गई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। जांच के दौरान पुलिस ने अन्य सबूत जुटाए। उसी आधार पर संदिग्ध के एक अन्य साथी को भी हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने मिलकर झपटमारी की घटना करना स्वीकार किया।

दोनों आरोपी आपस में रिश्तेदारः पुलिस ने आरोपी शिवम उर्फ शिवनारायण (28) पिता तुलसीराम मीणा निवासी बरबड़ और सिकु उर्फ चिकु पिता लक्ष्मण मीणा निवासी ग्राम रुणिया थाना घंटाली जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान), हाल मुकाम बरबड़ रतलाम को गिरफ्तार किया है। दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और मिलकर वारदात को अंजाम दे रहे थे।

बिना नंबर की बाइक जब्तः औद्योगिक थाने के सब इंस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया कि आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक भी जब्त की गई है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य मामलों में भी उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

मुरैना में रास्ते से निकलते ही सीने में गोली मारी

मीडिया ऑडीटर, मुरैना (निप्र)। मुरैना में रास्ते के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बुधवार सुबह करीब 20 से 25 लोगों ने एक युवक को रास्ते से निकलने की चुनौती दी, जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसे गोली मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे सराय छोला थाना क्षेत्र के रिठौरा गांव की है। मृतक महादेवा गुर्जर जब रास्ते से गुजर रहा था, तभी गांव के ही एदल गुर्जर, शिवराम गुर्जर और वकील गुर्जर सहित करीब एक दर्जन से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने उसे घेर लिया। चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपियों ने महादेवा को ललकारते हुए कहा, ÷अगर हिम्मत है तो यहां से निकल कर दिखा।÷ जैसे ही महादेवा ने अपना रास्ता आगे बढ़ाया, आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। गोली सीधे उसके सीने में लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

झाबुआ में 1.67 लाख की अवैध शराब जब्त

आबकारी विभाग की दबिश में 20 पेटियां बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, झाबुआ (निप्र)। आबकारी विभाग ने रानापुर में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने वार्ड नंबर 12 (जवाहर मार्ग) स्थित दीपेश राठौड़ के मकान से 1,67,080 रुपये मूल्य की विदेशी शराब जब्त की। इस कार्रवाई में कुल 20 पेटियां (178.68 बल्क लीटर) शराब बरामद की गई। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देश पर और जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में टीम ने दीपेश राठौड़ के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान गोवा व्हिस्की, रॉयल स्टेग और बियर सहित विभिन्न ब्रांडों की शराब मिली।

विभाग ने आरोपी दीपेश राठौड़ को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) और 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

रायसेन में सुबह 6 बजे हुई बारिश, लौटी ठंड

अगले दो दिन ऐसा ही मौसम, गेहूं की फसल को फायदा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में बुधवार दोपहर से मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छा गए और गुरुवार सुबह 6 बजे बारिश हुई। बारिश के साथ ही ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे एक बार फिर सर्दी लौट आई। सर्दी बढ़ने के कारण लोग गर्म कपड़ों में ही घरों से बाहर निकले। छोटे बच्चे भी गर्म कपड़े पहनकर स्कूल पहुंचे। बारिश से शहर की सड़कें गीली हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम में इस बदलाव से दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रायसेन में इस सीजन में यह दूसरी बार बारिश हुई है। किसानों का कहना है कि यह बारिश गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद साबित होगी। हालांकि, जिन खेतों में चने की फसल पककर तैयार हो गई है, उन्हें इस बारिश से नुकसान हो सकता है।

छतरपुर में बादल छाए, पारा लुढ़का

घना कोहरा छाया, मौसम विभाग ने हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर में गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, यह तापमान बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात का था, जिसे सुबह 8:30 बजे रिकॉर्ड किया गया।

बुधवार को न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस था, जो गुरुवार को 0.6 डिग्री सेल्सियस घटकर 9.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और घना कोहरा है। सुबह 9 बजे तक सूरज नहीं निकला और हल्की बूंदाबांदी की संभावना भी जताई गई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, बीते बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा था। गुरुवार सुबह का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस बताया जा रहा है। बादलों के कारण आज दिन का अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

आने वाले 2 से 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम : आज मौसम में आद्रता 82 प्रतिशत और विजिबिलिटी 500 से 1500 मीटर के बीच दर्ज की गई है मौसम में इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) को माना जा रहा है। यह विक्षोभ दिल्ली-ग्वालियर बेल्ट से बुंदेलखंड बेल्ट तक बादल लेकर आया है, जिनके देर शाम या रात तक छंटने की उम्मीद है।

फिलहाल अगले दो दिनों तक मौसम में इसी तरह का उतार-चढ़ाव और बदलाव देखने को मिलेगा। इसके बाद मौसम सामान्य हो जाएगा, न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी और ठंड में कमी आएगी।

पुराने बस स्टैंड पर स्टॉपेज शुरूः 5 मिनट रुकने की अनुमति दी, चुनिंदा बसों ही रुकेंगी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। यात्रियों की सुविधा के लिए गुरुवार सुबह से पुराने बस स्टैंड पर बसों का पिक एंड ड्रॉप स्टॉपेज शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने फिलहाल चुनिंदा बसों को यहां 5 मिनट तक रुकने की अनुमति दी है।

एसडीएम नीलेश कुमार शर्मा ने बताया कि बस संचालकों की ओर से शपथ पत्र जमा किए गए थे। करीब 12-13 बस मालिकों ने लिखित आवेदन दिया, जिसके आधार पर उन्हें पुराने बस स्टैंड पर सीमित समय के लिए स्टॉपेज की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में और बसों को भी अनुमति देने पर विचार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 1 फरवरी से पुराने बस स्टैंड को बंद कर बसों का संचालन नए बस स्टैंड पर स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद से नागरिकों, व्यापारियों और कांग्रेस

कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार यह मांग की जा रही थी कि शहर की सुविधा को देखते हुए पुराने बस स्टैंड पर भी कुछ समय का स्टॉपेज दिया जाए।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों, स्कूली छात्रों और आम यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

वहीं, कांग्रेस के एक अन्य धड़े, कांग्रेस सेवादल यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने इस मांग को लेकर भूख हड़ताल का कार्यक्रम रखा गया है। प्रशासन के अनुसार, आज से कुछ बसों ने पुराने बस स्टैंड पर रुकना शुरू कर दिया है, जिससे यात्रियों को तत्काल राहत मिलनी प्रारंभ हो गई है।

सीहोर में घायल नीलगाय का सफल रेस्क्यू

वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से किया इलाज, जंगल में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम थूना में एक घायल नीलगाय का वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सफल रेस्क्यू किया गया। नीलगाय को प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वन विभाग को सूचना मिली थी कि थूना गांव में एक नीलगाय घायल अवस्था में है। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला सक्रिय हो गया। नीलगाय को पकड़ने का अभियान पूरी रात जारी रहा। वन विभाग के डिप्टी रेंजर सहित टीम ने काफी मशक्कत के बाद नीलगाय को सुरक्षित रेस्क्यू किया। घायल नीलगाय की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए थे। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम को नीलगाय को काबू करने में काफी कठिनाई हुई, क्योंकि वह इधर-उधर भाग रही थी। कड़ी मशक्कत के बाद उसे पकड़ा जा सका।

प्राथमिक उपचार के बाद जंगल में छोड़ा : रेस्क्यू के बाद नीलगाय का प्राथमिक उपचार किया गया। कुछ हद तक स्वस्थ होने पर उसे जंगल में छोड़ दिया गया। हालांकि, यह अभी ज्ञात नहीं हो सका है कि नीलगाय आवासीय क्षेत्र में कैसे आ गई थी और उसके घायल होने का कारण क्या था।

चिन्नोनी–पोरसा में अवैध रेत परिवहन में दो ट्रैक्टर जब्त : पुलिस चेकिंग में नहीं दिखा पाए दस्तावेज, दो चालक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मुरैना (निप्र)। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। कार्रवाई चिन्नोनी थाना और पोरसा थाना पुलिस द्वारा की गई। दोनों मामलों में ट्रैक्टर चालकों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचना दे दी गई है, जहां से ट्रैक्टरों को राजसात करने की प्रक्रिया की जाएगी।

पोरसा पुलिस ने की कार्रवाईः पोरसा थाना पुलिस की टीम ने भिंड रोड बायपास पर चेकिंग प्वाइंट लगाया हुआ था। इसी दौरान सामने से बिना नंबर का महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत से भरी हुई आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोककर चालक से रेत परिवहन के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पोरसा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अग्रिम राजसात कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचित कर दिया है।

चिन्नोनी थाना पुलिस ने की कार्रवाई : वहीं चिन्नोनी थाना पुलिस को चंबल नदी के होराबरा घाट पर अवैध रेत उत्खनन की शिकायत मिली थी। पुलिस गश्त के दौरान एक सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत भरकर ले जाते हुए देखा गया। पुलिस ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने ट्रैक्टर भगा दिया।

सागर में पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

खेत में पड़ा मिला शव, पहचान छिपाने की नीयत से बिगाड़ा चेहरा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के कैंट थाना क्षेत्र में गढ़पहरा रोड पर पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या कर दी गई। शव खेत में पड़ा देख गुरुवार को आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान शव के आसपास खून से सने पत्थर पड़े मिले। मृतक के सिर और चेहरे पर चोटों के निशान हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

जानकारी के अनुसार, गढ़पहरा रोड पर सदर के पास स्थित एक खेत में गुरुवार को युवक का शव पड़ा था। सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शुरुआती जांच में

मृतक की पहचान मनोज अहिरवार उम्र 35 साल निवासी भैंसा के रूप में हुई है। मृतक की हत्या पत्थर से सिर कुचलकर की गई है। वारदातस्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। टीम ने हत्या से जुड़े साक्ष्य जुटाए हैं।

विरोध में परिजन ने किया चक्काजामः वारदात सामने आते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हत्या की वारदात को लेकर विरोध जताया। सागर-खुरई रोड पर भैंसा के पास चक्काजाम कर दिया। वे हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कुछ लोगों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। चक्काजाम की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिवार को समझाइश देकर शांत कराया है।

मामला दर्ज कर जांच कर रहे : कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि युवक की हत्या की गई है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। वारदातस्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। मामले के सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मृतक के साथ आखिरी बार देखे गए लोगों से भी पूछताछ की जा रही है । तक हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

सिवनी में राख से भरा ट्रक पलटा :ड्राइवर सुरक्षित ;कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के लखनादौन में गुरुवार सुबह 11 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। यह हादसा स्टेट बैंक के पास हुआ। राहत की बात यह रही कि ट्रक ड्राइवर सुरक्षित है और कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक, ट्रक कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था। जैसे ही ट्रक लखनादौन के स्टेट बैंक के पास पहुंचा, ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। यह जगह काफी भीड़भाड़ वाली है, गनीमत रही कि जिस वक्त ट्रक पलटा, वहां कोई राहगीर या दूसरा वाहन मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रक में कोयला पावर प्लांट की राख भरी थी। पुलिस की कार्रवाई और जांच हादसे की खबर मिलते ही लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाकर यातायात को सामान्य कराया। थाना प्रभारी के.पी. धुर्वे ने बताया कि पुलिस ने ट्रक ड्राइवर से पूछताछ शुरू कर दी है।

कनाडा के पूर्व कप्तान नवनीत धालीवाल ने किया संन्यास का ऐलान

अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेंगे आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नवनीत धालीवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। टी20 विश्व कप में 19 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में होने वाले मुकाबले के बाद धालीवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। कनाडा के इस दिग्गज खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद संन्यास की घोषणा की। 37 साल के धालीवाल ने कहा कि मैंने पूर्व में ही फैसला कर लिया था कि विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ

होने वाला मैच मेरा आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। धालीवाल ने अपने करियर में टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई करने, उस विश्व कप के शुरुआती मैचों में रन बनाने और कनाडा का कप्तान बनने को करियर के यादगार लम्हों में से एक बताया। उन्होंने संन्यास के बाद कोचिंग क्षेत्र में कदम रखने और युवाओं को मदद करने की इच्छा जाहिर की। धालीवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाने वाले युवराज समरा की तारीफ करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक है। उस टीम के खिलाफ शतक बनाना इस बात का सबूत है कि हमारे कनाडा में क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है। धालीवाल अपने करियर का समापन टी20 फॉर्मेट में कनाडा के सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में करेंगे। 2019 में टी20 में डेब्यू करने वाले धालीवाल 48 मैचों की 46 पारियों में 10 अर्धशतक की मदद से 1,305 रन बना चुके हैं। वहीं 2024 में वनडे में डेब्यू करने वाले नवनीत ने 18 मैचों की 17 पारियों में 4 अर्धशतक की मदद से 456 रन बनाए हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कनाडा के लिए 29 टी20 और 4 वनडे मैचों में कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में कनाडा ने 21 मैचों में जीत हासिल की। कनाडा टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप डी में शामिल है। दिलप्रीत बाजवा की कप्तानी में खेल रही टीम अपने ग्रुप स्टेज के शुरुआती तीन मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

बल्लेबाज लॉरेन डाउन ने लिया संन्यास, न्यूजीलैंड के लिए खेले कुल 48 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज लॉरेन डाउन ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 30 साल की डाउन ने 2018 में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। डाउन ने कहा, ÷मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका पाकर बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा।÷ न्यूजीलैंड क्रिकेट ने डाउन के हवाले से कहा, ÷मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है, और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीममेट्स को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।÷

न्यूजीलैंड के हेड कोच बेन सॉयर ने डाउन को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, ÷लॉरेन शानदार रही हैं। उन्होंने हमेशा व्हाइट फर्न्स के माहौल में अपना सब कुछ दिया है। यह खेल के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता का सबूत है। मैं लॉरेन को व्हाइट फर्न्स और ऑकलैंड क्रिकेट दोनों में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और उन्हें और उनके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। देश की श्रेष्ठ फील्डरों में से एक रहीं लॉरेन डाउन ने 2018 में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। न्यूजीलैंड के लिए वह कुल 48 मैच खेलीं। इसमें 35 वनडे और 13 टी20 शामिल हैं। वनडे की 31 पारियों में 3 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 486 रन बनाए। 90 उनका सर्वाधिक स्कोर रहा। वहीं, टी20 की 9 पारियों में उन्होंने 93 रन बनाए। अंगूठे की चोट के कारण डाउन न्यूजीलैंड में 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप से चूक गई और उसी साल बाद में बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स से बाहर रही थीं। 2023 महिला विश्व कप में वह टीम का हिस्सा रही थीं।

डाउन ने 2011 में ऑकलैंड के मेलविल पार्क में कैंटरबरी के खिलाफ ञ्20 में अपने होमटाउन हार्ट्स के लिए डेब्यू किया और 202 मौकों (101 लिस्ट ए और 101 टी20) में ऑकलैंड का प्रतिनिधित्व किया। वह टी20 में हार्ट्स की तीसरी श्रेष्ठ स्कोरर (1,496 रन) हैं।

टी20 विश्व कप : श्रीलंका और जिम्बाब्वे के बीच होगी श्रेष्ठता की जंग, ऐसा है हेड टू हेड रिकॉर्ड

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका और जिम्बाब्वे टी20 विश्व कप 2026 का अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला गुरुवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम, कोलंबो में खेलेंगी। सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर चुकी दोनों टीमें ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए जोर लगाएंगी। इसलिए ये मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। ग्रुप बी में श्रीलंका फिलहाल शीर्ष स्थान पर काबिज है। श्रीलंका ने अपने तीन मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं। श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से, ओमान को 105 रन से और ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल कर श्रीलंका अपने शीर्ष स्थान को बरकरार रखने उतरेगी। जिम्बाब्वे ने विश्व कप में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। सिकंदर रजा की कप्तानी वाली इस टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने शुरुआती 2 मैच जीते। ओमान के खिलाफ 8 विकेट से जीत हासिल करने वाली श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। आयरलैंड के खिलाफ मैच बारिश की वजह से धुल गया था। इस मैच से मिले 1 अंक लेकर कुल 5 अंक के साथ जिम्बाब्वे ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल कर जिम्बाब्वे 7 अंक के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर रहते हुए सुपर-8 में प्रवेश करना चाहेगी। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच अब तक 11 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। श्रीलंका ने 8 मैचों में जीत हासिल की है। जिम्बाब्वे 3 मैचों में विजयी रही है। जिम्बाब्वे के लिए इस विश्व कप में ब्रायन बेनेट श्रेष्ठ स्कोरर हैं। वे 2 पारियों में 112 रन बना चुके हैं। वहीं, ब्लेसिंग मुजरबानी 2 मैचों में 7 विकेट लेकर शीर्ष गेंदबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ टीम मैनेजमेंट और कप्तान रजा दोनों खिलाड़ियों से अपना फॉर्म बरकरार रखने की उम्मीद करेंगे। श्रीलंका को पथुम निसांका और कुसाल मेंडिस से एक बार फिर निर्णायक पारियों की उम्मीद रहेगी।

BCCI और भारत के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं: बांग्लादेश के खेल मंत्री अमीनुल हक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो चुका है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद तारिक रहमान ने भारत के साथ पिछले 1 साल के अंदर खराब हुए रिश्ते सुधारने की कोशिश तेज कर दी है। बांग्लादेश के नए खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ संबंध बेहतर करना चाहते हैं। खेल मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अमीनुल हक ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं और सारे मुद्दों को जल्द सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ÷शपथ लेने के बाद, मैं संसद भवन में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। उनसे टी20 विश्व कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं।

अमीनुल हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। राजनीतिक दिक्कतों के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। अगर चर्चा हुई होती, तो उन मुद्दों का समाधान हो गया होता और हमारी टीम विश्व कप का हिस्सा होती।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की अपनी टीम से बाहर करने का आदेश दिया था। केकेआर ने बोर्ड का आदेश माना था। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग आईसीसी से की। आईसीसी ने बांग्लादेश की मांग नहीं मानी जिसके बाद अपनी सरकार की सलाह पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने का फैसला किया था। बांग्लादेश की जगह आईसीसी ने स्कॉटलैंड को विश्व कप में जगह दी थी।

जब टी20 वर्ल्ड कप के 'नॉकआउट' से बाहर हुआ ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले, एजेंसी। आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मंगलवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अहम मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बंटा, जिसने ऑस्ट्रेलिया को 'सुपर-8' से बाहर का रास्ता दिखा दिया। ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया के बजाय जिम्बाब्वे ने अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ऐसा छठी बार है जब ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। आइए, जानते हैं कि कब-कब ऑस्ट्रेलिया इस तरह के उलटफेर का शिकार हुआ है। टी20 वर्ल्ड कप 2009: ऑस्ट्रेलियाई टीम इस विश्व कप में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया को पहले मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 विकेट, जबकि अगले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 6 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

- **टी20 वर्ल्ड कप 2014:** ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ग्रुप-2 में 4 मैच खेले, जिसमें सिर्फ एक ही जीत नसीब हुई। पाकिस्तान के हाथों 16 रन से मुकाबला गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध अगला मैच 6 विकेट से गंवाया। इसके बाद उसे भारत ने 73 रन से मात दी। भले ही अंतिम ग्रुप मैच में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया, लेकिन प्लेऑफ में जगह नहीं बना सका।
- **टी20 वर्ल्ड कप 2016:** ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड के हाथों 8 रन से मैच गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश और पाकिस्तान को क्रमशः 3 विकेट और 21 रन से हराया, लेकिन भारत ने 6 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया को प्लेऑफ से बाहर कर दिया।
- **टी20 वर्ल्ड कप 2022:** इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड (89 रन), श्रीलंका (7 विकेट), आयरलैंड (42 रन) और अफगानिस्तान (4 रन) के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया और ऑस्ट्रेलियाई टीम खराब नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।
- **टी20 वर्ल्ड कप 2024:** इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप-बी के अपने सभी चार मैच जीते। इस टीम ने ओमान के खिलाफ 39 रन से जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को 36 रन, नामीबिया को 9 विकेट और स्कॉटलैंड को 5 विकेट से मात देकर सुपर-8 में जगह बनाई।

इसके बाद सुपर-8 में बांग्लादेश के खिलाफ डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 28 रन से जीत दर्ज की, लेकिन अगले ही मैच में अफगानिस्तान ने उलटफेर करते हुए 21 रन से ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दे दी। सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने भारत के हाथों 24 रन से गंवाया और सेमीफाइनल का टिकट पाने का मौका भी खो दिया।

- **टी20 वर्ल्ड कप 2026:** ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड के विरुद्ध ग्रुप-बी का अपना पहला मैच 67 रन से जीता, लेकिन अगले मुकाबले में उसे जिम्बाब्वे ने 23 रन से मात दी। ऑस्ट्रेलिया यहां से परेशानी में थी और इसी बीच उसे श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने यूएई को 40 गेंद पहले 6 विकेट से हराया, कॉर्बिन बॉश रहे प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप 2026 में अपना प्रचंड फॉर्म बरकरार रखते हुए यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत हासिल की है। दक्षिण अफ्रीका ने 123 रन के लक्ष्य को 13.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। 123 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को कप्तान एडन मार्करम और क्विंटन डिकॉक ने तेज शुरुआत दी और 3 ओवर में 32 रन जोड़े। मार्करम 11 गेंदों पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। 56 के स्कोर पर दूसरे विकेट के रूप में डिकॉक आउट हुए। डिकॉक थोड़े धीमे रहे और 16 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए। रयान रिकल्टन ने 16 गेंदों पर 2 छक्के और 3 चौकों की मदद से 30 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंदों पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 36 रन बनाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 30 गेंदों पर 49 रन की साझेदारी हुई। स्टब्स 7 गेंदों पर 6 और जेसन स्मिथ 5 गेंदों पर 3 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 13.2 ओवरों में 4 विकेट पर 123 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई को दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 122 के स्कोर पर रोक दिया था। यूएई के लिए आलिशान शराफू ने सर्वाधिक 45 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने शानदार गेंदबाजी की। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में महज 12 रन देकर 3 विकेट लिए। बॉश ने सलामी बल्लेबाज आर्यांश शर्मा, शोएब खान और मुहम्मद अरफान का विकेट लिया। एनरिक नॉर्किया ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारतीय टीम सुपर-8 में तीन टीमों के खिलाफ खेलेगी, पहला मैच बेहद मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में जगह बना चुकी है। सुपर-8 में भारतीय टीम किस टीम के खिलाफ कब मुकाबला खेलेगी, इसका शेड्यूल भी सामने आ चुका है। आइए भारतीय टीम के उन टीमों के खिलाफ रिकॉर्ड पर नजर डालते हैं जिनके खिलाफ सुपर-8 में मुकाबले खेले जाने हैं। भारतीय टीम को सुपर-8 स्टेज में तीन मैच खेलने हैं। पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला जाना है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। टीम इंडिया के लिए सुपर-8 का यह सबसे कठिन मुकाबला है। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए आई है। इसलिए भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबला कांटे की टक्कर का होना तय है।

भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच 35 टी20 मुकाबले खेले गए हैं। भारतीय टीम ने 21 मैच जीते हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 13 मैच जीते हैं। एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। कागज पर आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में हैं। टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर ही पिछला टी20 विश्व कप जीता था, इसके बावजूद अगला मुकाबला संघर्षपूर्ण हो सकता है।

सुपर-8 में भारत का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई में शाम 7 बजे से खेला जाना है। जिम्बाब्वे की टीम भी शानदार प्रदर्शन कर रही है और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हरा चुकी है। इसलिए भारत-जिम्बाब्वे मैच को हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारत और जिम्बाब्वे के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारत का तीसरा मुकाबला खतरनाक वेस्टइंडीज से है। दो बार विश्व चैंपियन रह चुकी वेस्टइंडीज ने इस विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहकर सुपर-8 में पहुंची है। विंडिज ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही क्षेत्र में दमदार प्रदर्शन किया है।

स्कॉटलैंड को 7 विकेट से रौंदकर नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में दर्ज की पहली जीत

मुंबई, एजेंसी। नेपाल ने मंगलवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से जीत के साथ अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अभियान का समापन किया। नेपाल और स्कॉटलैंड की टीमें इस मैच से पहले ही खिताबी दौड़ से बाहर थीं। ऐसे में यह सम्मान की लड़ाई थी, जिसे जीतकर नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में जीत के सूखे को आखिरकार खत्म किया। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम ने 7 विकेट खोकर 170 रन बनाए। इस टीम को जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 10 ओवरों में 80 रन जुटाए। मुन्से 29 गेंदों में 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद जोन्स ने ब्रैंडन मैकमुलेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 रन जुटाए। जोन्स 45 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 71 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मैकमुलेन ने 25 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, मार्क वाट ने 10 रन जोड़े। विपक्षी खेमे से सोमपाल कामी ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट रोहित पौडेल और कुशल भुर्तेल ने हासिल किया। इसके जवाब में नेपाल ने 19.2 ओवरों में जीत हासिल की। कुशल ने आसिफ शेख के साथ 9.1 ओवरों में 74 रन की साझेदारी की। कुशल 35 गेंदों में 4 छक्कों और 1 चौके के साथ 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि आसिफ ने 27 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 33 रन की पारी खेली।

यह टीम 98 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो चुकी थी। यहां से गुलशन झा ने दीपेंद्र सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 36 गेंदों में 73 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई।

फरहान का नाबाद शतक, नामीबिया को 102 रन से हराकर 'सुपर-8' में पाकिस्तान

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तान ने बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 35वें मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ 102 रन से जीत दर्ज करते हुए 'सुपर-8' में जगह बना ली है। सुपर-8 में पाकिस्तानी टीम 21 फरवरी को न्यूजीलैंड के विरुद्ध मुकाबला खेलेगी, जिसके बाद 24 फरवरी को इंग्लैंड से उसकी भिड़ंत होगी। पाकिस्तान सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंकाई टीम को चुनौती देगा। बुधवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 3 विकेट खोकर 199 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फहरान ने 58 गेंदों में 4 छक्कों और 11 चौकों के साथ 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने सईम अयूब के साथ पहले विकेट के लिए 40 रन, जबकि कप्तान सलमान आगा के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 67 रन जोड़े।पाकिस्तानी टीम ने 118 के स्कोर तक अपना तीसरा विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद साहिबजादा ने शादाब खान के साथ चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों में 81 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। एक ओर साहिबजादा ने नाबाद शतकीय पारी खेली, तो दूसरी तरफ कप्तान आगा ने 38 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, शादाब ने 22 गेंदों में 36 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से जैक ब्रसेल ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने 1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में नामीबियाई टीम 17.3 ओवरों में महज 97 रन पर सिमट गई। नामीबिया की तरफ से लौरेन स्टीनकैंप ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि अलेक्जेंडर वोल्शेंक ने 20 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। पाकिस्तान की तरफ से उस्मान तारिक ने 3.3 ओवरों में 16 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि शादाब खान ने 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इस मुकाबले के साथ सुपर-8 की सभी टीमें तय हो गई हैं। पहले ग्रुप में भारत के अलावा, जिम्बाब्वे, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज ने स्थान सुनिश्चित किया है, जबकि दूसरे ग्रुप से न्यूजीलैंड के साथ इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान ने सुपर-8 में जगह बनाई है।

कोरबा के वार्ड क्र. 28 एवं 27 में होंगे 72 लाख रू. के नये विकास कार्य

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगर पालिक निगम कोरबा के रविशंकर नगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 28 एवं वार्ड क्र. 27 में 72 लाख रूपये के नये विकास कार्य कराये जाएंगे। आज प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने इन विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। उन्होने शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुए निर्धारित समयसीमा में विकास कार्यो को पूरा करने के निर्देश निगम के अधिकारियों व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को दिये।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 28 अंतर्गत कुआंभट्ठा बुधवारी बायपास स्थित विवेकानंद सेवा सदन कोरबा के द्वितीय तल में 25 लाख रूपये की लागत से हाल व कक्ष का निर्माण एवं अन्य विस्तार कार्य किये जाने हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 28 अंतर्गत कन्या महाविद्यालय के पीछे ब्रम्हवाटिका के पास 05 लाख रूपये की लागत से किचन शेड का निर्माण एवं वार्ड क्र. 28 के ही अंतर्गत अपना घर के पास 30 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण एवं अन्य विस्तार कार्य कराये जाने हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 27 के अंतर्गत महाराणा प्रताप नगर एक्सटेशन में 12 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी.नाली व कलवर्ट का निर्माण भी निगम द्वारा कराया जाना हैं। महाराणा प्रताप नगर स्थित दशहरा मैदान में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में इन सभी विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया।

नवनिर्मित सामुदायिक भवन जनसेवा में समर्पित : नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 27 महाराणा प्रताप नगर दशहरा मैदान में सामुदायिक भवन का निर्माण 04 लाख रूपये की लागत से कराया गया है, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने उक्त नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए भवन को जनसेवा हेतु समर्पित किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने सामुदायिक भवन में कुर्सी व टेबल की उपलब्धता किये जाने हेतु अपने मद से 25 हजार रूपये की घोषणा की तथा उक्त राशि तत्काल दिये जाने के संबंध में त्वरित आवश्यक कार्यवाही के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

कोरबा की जनता का विश्वास मेरी अमूल्य धरोहर : इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि कोरबा की देवतुल्य जनता ने सदैव मुझ पर अपना विश्वास व्यक्त किया है तथा जनताजनार्दन का यह विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी धरोहर है। उन्होने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र में जनता जनार्दन की इच्छा व उनकी आवश्यकता के अनुसार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी वार्डो में समान रूप से विकास कार्य कराये जा रहे हैं, विगत 02 वर्ष व 01 महीने के इस कार्यकाल में नगर निगम कोरबा क्षेत्र के लिये विभिन्न मदों से 850 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, वहीं यदि सम्पूर्ण कोरबा जिले की बात की जाय, तो जिले में लगभग 5000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं।

उन्होने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि नरेन्द्र मोदी हमें देश के प्रधानमंत्री के रूप में मिले, जिनके कार्यो एवं निर्णयों से भारत का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा है, वहीं जिनके मार्गदर्शन में देश का तेजी से विकास हो रहा है। रेल, सड़क, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ किसान, मजदूर, श्रमिक, महिला, युवा एवं समाज के सभी वर्गो के लिए प्रधानमंत्री मोदी लगातार कार्य कर रहे हैं, तो वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ राज्य को विकसित राज्य बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। उद्योग मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह के 15 वर्ष के कार्यकाल को हम आज भी बड़े गर्व के साथ याद करते हैं, जब दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं एक साथ प्रदेश में क्रियान्वित की गई थी तथा छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर गतिमान हुआ था, आज पुनः मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में हमारा छत्तीसगढ़ एक विकसित राज्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कोरबा के विकास में फिर से पकडी है तेज गति : इस मौके पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुछ वर्षो से कोरबा का विकास रूका हुआ था, अब उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में कोरबा ने पुनः विकास की रफ्तार पकड ली है तथा निगम के सभी वार्डो में बड़े पैमाने पर विकास कार्य हो रहे हैं, बर्षो की समस्याएं दूर की जा रही है। उन्होने आगे कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन और मैं खुद ग्राम बस्ती व स्लम बस्ती के रहने वाले हैं, इन बस्तियों की समस्याओं से परिचित हैं, और समस्याओं को दूर करने का कार्य लगातार कर रहे हैं। महापौर राजपूत ने आगे कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन का लगातार आशीर्वाद व मार्गदर्शन कोरबा के विकास के लिए हमें प्राप्त हो रहा है।

राज्यपाल डेका से छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी की नवगठित प्रबंध समिति ने की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी की नवगठित प्रबंध समिति के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर रेडक्रॉस की वर्तमान गतिविधियों तथा भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। राज्यपाल डेका ने रेडक्रॉस की सदस्यता बढ़ाकर अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने सिकल सेल बीमारी की रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश दिए। राज्यपाल ने रायपुर में शीघ्र ब्लड बैंक प्रारंभ करने हेतु ठोस प्रयास करने को कहा। उन्होंने जानकारी दी कि सर्व सुविधा युक्त एम्बुलेंस सेवा के लिए एसईसीएल से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और जल्द ही एम्बुलेंस उपलब्ध होगी। साथ ही, जिलों में रेडक्रॉस के लिए भवन, एम्बुलेंस और ब्लड बैंक की स्थापना हेतु जिला कलेक्टरों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेने का सुझाव भी दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम. के. राउत, अध्यक्ष टोमन साहू सहित प्रबंध समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से रागी उत्पादन में नवाचार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत बेमेतरा जिले के ग्राम कंचरी के प्रगतिशील कृषक मनोज साहू ने 0.5 हेक्टेयर भूमि में प्रथम बार रागी की खेती कर जिले में नवाचार किया है। परंपरागत फसलों से आगे बढ़ते हुए उन्होंने फसल विविधीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। साहू ने अपनी फसल का पंजीयन बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत राज्य बीज निगम में कराया, जिससे उन्हें कृषि विभाग एवं बीज विशेषज्ञों का नियमित तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन, कतार पद्धति से बुवाई, संतुलित सिंचाई तथा समयबद्ध कीट एवं रोग नियंत्रण उपायों से फसल की वृद्धि संतोषजनक रही है। रागी पोषक तत्वों से भरपूर मोटा अनाज है, जिसकी बाजार में बढ़ती मांग किसानों के लिए आय का बेहतर अवसर प्रदान कर रही है। बीज उत्पादन हेतु पंजीयन होने से सामान्य बाजार मूल्य की तुलना में अधिक दर प्राप्त होने की संभावना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। कृषि विभाग ने इसे जिले में वैज्ञानिक खेती एवं फसल विविधीकरण की दिशा में प्रेरक पहल बताया है।

प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती-2023 की शिकायत पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर द्वारा आयोजित प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती-2023 में जारी नवीन अनुपूरक/प्रतीक्षा सूची के चयन में अनियमितता संबंधी शिकायत पर सुनवाई की गई है। सुनवाई आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद, उपाध्यक्ष चन्द्रकान्ति वर्मा एवं सचिव संकल्प साहू की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस दौरान शिकायत की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित पक्षकारों को निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया। आवेदकगण संतोष चन्द्रवंशी, भेमन कुमार साहू एवं चित्रकांत साहू ने आयोग में उपस्थित होकर कहा कि प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती-2023 में अनारक्षित वर्ग से 72 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था, जिनमें से 05 पुरुष अभ्यर्थियों द्वारा पदभार ग्रहण नहीं किया गया। उनके अनुसार, ऐसी स्थिति में नियुक्ति हेतु प्रावीण्य सूची को सरल क्रमांक 81 तक अग्रेषित किया जाना चाहिए था, जिससे सरल क्रमांक 72 से 81 तक कुल 06 अन्य पिछड़ा वर्ग (अ.पि.व.) के अभ्यर्थियों (क्रमांक 73, 74, 78, 79, 80 एवं 81) को अनारक्षित वर्ग में लाभ प्राप्त हो सकता था। सुनवाई के दौरान विभाग की ओर से अपर संचालक, कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर उपस्थित हुए। उन्होंने आवेदकों के कथन के संदर्भ में आश्वासन दिया कि नियुक्ति के पश्चात यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया हो अथवा कार्यभार ग्रहण करने के बाद कोई स्थिति उत्पन्न हुई हो, तो चयन समिति द्वारा चयन सूची एवं अनुपूरक सूची का नियमानुसार परीक्षण किया जाएगा। सुनवाई उपरांत पदाधिकारियों द्वारा संबंधित विभाग को प्रकरण में तत्परता से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आवास योजना में फर्जी भुगतान और अधूरे घर के आरोप तथ्यहीन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लेकर आज 18 फरवरी को प्रकाशित खबर के बाद प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय जांच दल से विस्तृत भौतिक सत्यापन कराया गया। जांच रिपोर्ट में कई तथ्य भ्रामक एवं अपूर्ण जानकारी पर आधारित पाए गए हैं। उपायुक्त, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, छत्तीसगढ़ ने स्पष्ट किया है कि अधिकांश मामलों में भुगतान नियमानुसार हुआ है और निर्माण कार्य प्रगति पर है।

महासमुंद - 12 हजार से ज्यादा किश्त अटकी होने का दावा गलत : खबर में बागबाहरा जनपद में 12,366 हितग्राहियों की दूसरी किश्त अटकी होने और केवल 25 हजार रुपए पहली किश्त दिए जाने का उल्लेख किया गया है, जबकि जांच में सामने आया कि योजना शुरू होने से अब तक जनपद पंचायत बागबाहरा में 22,910 आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें से 19,411 मकान पूर्ण हो चुके हैं। शेष 3,499 आवास निर्माणाधीन हैं। प्रशासन के मुताबिक किश्तों का भुगतान निर्माण कार्य की प्रगति के अनुसार किया जा रहा है।

गरियाबंद - जिन घरों को अधूरा बताया, वे निर्माणाधीन : ग्राम तुहामेटा में झुलवती के नाम पर प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में स्वीकृत आवास में दो किश्तों में एक लाख रुपए जारी किए जा चुके हैं। जांच में पाया गया कि छत ढलाई का कार्य पूरा है। हितग्राही झूलबती के निधन के बाद उनके पति पीलाराम को उत्तराधिकारी के रूप में पोर्टल में दर्ज किया गया है, जो कि पीएफएमएस में लंबित है। इसी तरह राजापड़ाव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अडगडी में सुगारो के नाम से वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत है। 40 हजार रुपए की पहली किश्त जारी हो चुकी है। मकान प्लिंथ स्तर पर है और दूसरी किश्त के लिए जियो-टैगिंग पूरी कर ली गई है। ग्राम पंचायत जाड़ापदर में हिरमनी बंजारा के पिता खेतुराम बंजारा के नाम से वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृत है। दो किश्तों में 95 हजार रुपए जमा किए जा चुके हैं। मकान चौखट स्तर तक बन चुका है। जांच में फर्जी भुगतान का आरोप सही नहीं पाया गया। जांच रिपोर्ट में इस बात स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि लफंदी में मनरेगा मजदूरी में गड़बड़ी नहीं मिली है। फिंगेश्वर ब्लॉक के लफंदी गांव में मनरेगा मजदूरी में 4 लाख रुपए की कथित गड़बड़ी की शिकायत की भी गहन जांच की गई। मस्टररोल, मांगपत्र और सहमति पत्रों का परीक्षण किया गया। प्रशासन के अनुसार श्रमिकों को नियमानुसार भुगतान हुआ है और किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता का प्रमाण नहीं मिला है।

उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण पहल

ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग'' जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तकनीकी एवं विधिक सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तकनीकी, डिजिटल व्यवस्था, प्रक्रियात्मक सुधार और विधायी संशोधनों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया गया कि ई-प्रणालियों का विस्तार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग की जानकारी दी गई। वहीं ई-जागृति, ई-फाइलिंग और ई-हियरिंग'' जैसी डिजिटल सुविधाओं के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को घर बैठे शिकायत दर्ज करने और सुनवाई में भाग लेने की सुविधा मिल रही है। उपभोक्ता न्याय को किफायती, पारदर्शी और त्वरित बनाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

अधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान शिकायत स्वीकृति की प्रक्रिया, उपभोक्ता आयोग के आर्थिक एवं क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार, शिकायत और जवाब दावा प्रस्तुत करने की समय-सीमा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को स्पष्ट किया। इस दौरान यह भी बताया गया कि यदि प्रतिवादी पक्ष 30 दिनों की निर्धारित अवधि या अधिकतम 15 दिनों की अतिरिक्त अवधि (कुल 45 दिन) में लिखित बयान प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसके साक्ष्यों पर विचार सीमित हो सकता है। साथ ही प्रतिवादी को शिकायतकर्ता के गवाहों से जिरह का अवसर और उसकी सीमा पर भी चर्चा हुई।

अधिकारियों एवं न्यायमूर्तियों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बढ़ती चुनौतियों, डार्क पैटर्न जैसी भ्रामक डिजाइन तकनीकों और झूठे व भ्रामक विज्ञापनों के मुद्दों पर चर्चा की। क्षेत्राधिकार संबंधी विवादों और तकनीकी जटिलताओं के त्वरित समाधान हेतु वर्तमान संरचना में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया। निष्पादन आवेदन के त्वरित और प्रभावी निपटारे के लिए व्यावहारिक कठिनाइयों और प्रणालीगत विलंब संबंधी जानकारी दी गई।

सभी उपभोक्ता आयोगों में प्रक्रियात्मक एकरूपता लाने, मानकीकृत नियम एवं दिशानिर्देश अपनाने तथा केस मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल उपभोक्ताओं को त्वरित, पारदर्शी और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्राध्यापक परीक्षा-2026 : 595 प्राध्यापक पदों की भर्ती में पारदर्शिता का नया अध्याय

35 अभ्यर्थियों की अर्हता जांच के लिए उच्च स्तरीय विषय-विशेषज्ञ समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य में प्राध्यापक (उच्च शिक्षा) परीक्षा-2021 के अंतर्गत 595 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को तेज करते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने उच्च स्तरीय विषय-विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया है। यह समिति अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक दस्तावेजों और प्रमाण-पत्रों की गहन जांच कर अंतिम पात्रता निर्धारण करेगी। ज्ञात हो इससे पहले 11 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र प्रेषित कर 35 अभ्यर्थियों की शैक्षणिक अर्हताओं की विस्तृत जांच के लिए विषय-विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध किया था। आयोग ने 4 दिसंबर 2025 को आयोजित बैठक में निर्णय लिया था कि दस्तावेज सत्यापन के दौरान उत्कृष्ट प्राध्यापक पद के लिए आवेदन करने वाले इन अभ्यर्थियों के अभिलेखों का विशेषज्ञ स्तर पर परीक्षण आवश्यक है। मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार, चयन प्रक्रिया को यूजीसी विनियम 2018 के तहत निर्धारित अर्हताओं के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है। विज्ञापन की कंडिका 6 (2) (द्व1) (ख) के विशेष संदर्भ में विभिन्न विषयों के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जाएगी। गठित समिति में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापकों को शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों के लिए 16 मार्च को होगा मतदान

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों में राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 का कार्यक्रम घोषित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आज अप्रैल-2026 में सेवानिवृत्त होने वाले राज्यसभा सदस्यों की रिक्त सीटों को भरने के लिए द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी गई है। इसके माध्यम से देश के 10 राज्यों में कुल 37 राज्यसभा सदस्यों का निर्वाचन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की कुल 5 सीटों में से 2 सदस्यों, कवि तेजपाल सिंह तुलसी और सुफूलो देवी नेताम का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 को पूर्ण हो रहा है। इन दोनों सीटों के रिक्त होने के कारण निर्वाचन की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्यसभा के द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा की गई है।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार राज्यसभा सदस्यों के निर्वाचन के लिए 26 फरवरी को अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम-निर्देशन पत्र 5 मार्च तक दाखिल किये जा सकेंगे। 6 मार्च को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। अभ्यर्थी 9 मार्च तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। 16 मार्च को प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक मतदान होगा तथा उसी दिन सायं 5 बजे से मतगणना प्रारंभ की जाएगी।संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया 20 मार्च 2026 (शुक्रवार) तक पूर्ण कर ली जाएगी। राज्यसभा निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी अपना नाम-निर्देशन पत्र 26 फरवरी से 5 मार्च तक पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन में निर्धारित स्थान पर रिटर्निंग ऑफिसर (संचालक, छत्तीसगढ़ विधानसभा) के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन में राज्य के कुल 90 विधानसभा सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के 54, इंडियन नेशनल कांग्रेस के 35 तथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के एक सदस्य शामिल हैं। सभी विधायक मतपत्र के माध्यम से मतपेटी में अपना मत प्रदान करेंगे। मतपत्र पर वरीयता अंकित करने के लिए केवल निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रदान किए गए बैंगनी रंग के स्केच पेन का उपयोग किया जाएगा। किसी अन्य पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया की कड़ी निगरानी की जाएगी।

रायगढ़ के खनन प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क से विकास को गति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप रायगढ़ जिले के उत्खनन प्रभावित वनांचल क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। जिला खनिज न्यास मद से 32 करोड़ 12 लाख 21 हजार रुपये की लागत से 14 सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य प्रगतिरत हैं, जिससे धरमजयगढ़, तमनार, घरघोड़ा, लैलूंगा एवं खरसिया विकासखंड के सुदूर एवं आदिवासी बहुल ग्रामों को बारहमासी संपर्क सुविधा प्राप्त होगी।

धरमजयगढ़ में सेमीपाली-कोंध्रा, ससकोबा-पाराघाटी तथा पुसल्दा-चितापाली मार्ग; तमनार में पतरापाली-बरकसपाली, अमलीढोढ़ा-समकेरा गौरबहरी सहित अन्य मार्ग; घरघोड़ा में तुमीडीह-छर्राटांगर एवं कुडुमकेला-पुरी; लैलूंगा में गहनाझरिया-सुकवासुपारा से लभनीपारा तथा खरसिया में खड़गांव-गोड़पार बस्ती मार्ग का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने तमनार विकासखंड अंतर्गत पतरापाली-बरकसपाली मार्ग का निरीक्षण कर सड़क निर्माण का कार्य समय-सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तकनीकी मानकों के पालन एवं सामग्री की गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

रोमांच और प्रकृति का संगम शिशुपाल पर्वत बना छत्तीसगढ़ का नया एडवेंचर हब

ट्रैकिंग, जलप्रपात और ऐतिहासिक विरासत के संगम से युवाओं में बढ़ी लोकप्रियता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। यदि आप प्रकृति, पहाड़ और एडवेंचर के शौकीन हैं, तो महासमुंद जिले के सरायपाली में स्थित शिशुपाल पर्वत आपके लिए एक शानदार पर्यटन स्थल हो सकता है। आजकल शिशुपाल पर्वत ट्रैकिंग और एडवेंचर के शौकीनों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। यह स्थान अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। रायपुर से 157 किमी और सरायपाली से लगभग 20 किमी की दूरी पर स्थित यह पर्वत पर्यटकों को प्रकृति के करीब जाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

रोमांचक ट्रैकिंग का अनुभव: शिशुपाल पर्वत समुद्र तल से 900 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए रोमांचक ट्रैकिंग मार्ग है, जो साहसिक गतिविधियों के प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ट्रैकिंग मार्ग में जंगल, चट्टानें और प्राकृतिक पगडंडियां शामिल हैं। पर्वत के ऊपर एक विशाल मैदान है, जहां से वर्षा ऋतु के दौरान पानी 1100 फीट नीचे गिरता है और भव्य जलप्रपात का निर्माण करता है। यह दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां की हरियाली और शांत वातावरण एक मनमोहक दृश्य का निर्माण करते हैं। पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की पहल की गई है। यहां पहुंचने वाले सैलानियों के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया।

प्राकृतिक सुंदरता और शांति: शिशुपाल पर्वत की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां का वातावरण, हरियाली और झरने पर्यटकों को मानसिक शांति और सुकून का अनुभव कराते हैं। यह स्थान फोटोग्राफी और प्रकृति के अद्भुत दृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। शिशुपाल पर्वत न केवल रोमांचक ट्रैकिंग स्थल है, बल्कि इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम भी है। यहां ट्रैकिंग, फोटोग्राफी और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। अपने ऐतिहासिक महत्व और प्राकृतिक आकर्षण के कारण शिशुपाल पर्वत आज के दौर में पर्यटन का नया केंद्र बनता जा रहा है।

ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व: शिशुपाल पर्वत (बड़ा डोंगर) का नाम स्थानीय लोककथाओं से जुड़ा हुआ है। किंवदंती है कि इस पहाड़ पर कभी राजा शिशुपाल का महल हुआ करता था। यहां का गौरवशाली इतिहास रहा है। पर्वत पर ही जर्जर दुर्ग, प्राचीन मंदिर और तालाब के अवशेष आज भी अतीत की गाथा सुनाते हैं। जिनके अनुसार जब अंग्रेजों ने राजा को घेर लिया, तो उन्होंने वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने घोड़े के साथ पहाड़ी से छलांग लगा दी। इस घटना के कारण इस पर्वत का नाम शिशुपाल पर्वत और यहां स्थित झरने का नाम भी उन्हीं के नाम पर पड़ा। यह जलप्रपात अत्यधिक ऊंचाई से गिरने के कारण अद्भुत सौंदर्य का अनुपम उदाहरण है।

रोजगार के नए अवसर: शिशुपाल पर्वत पर हर वर्ष मकर संक्रांति और महाशिवरात्रि के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए आते हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ मेले की चहल-पहल का आनंद लोग उठाते हैं। धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अद्भुत अनुभव इसे एक संपूर्ण पर्यटन स्थल बनाता है। यह मेला न केवल स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

पर्यटन विकास की संभावनाएं: इस क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किए जाने की पहल शासन द्वारा की जा रही है। वहीं आसपास के क्षेत्रों में बांस से बनी हस्तशिल्प वस्तुएं भी पाई जाती हैं, जो स्थानीय लोगों की आय का प्रमुख जरिया बन सकती हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा